डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

खेलः बनें बोल्ड, ऐटमौस्फियर रखें बोल्ड...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

5 सिनेमा : जितेंद्र करना चाहते थे हेमा...

वर्ष -09 अंक -41 | प्रयागराज, शनिवार 15 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 के 1,086 नए मामले, एक मरीज की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 1,086 नए मामले सामने आए, जिससे राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 81,53,377 हो गई, जबकि इस दौरान एक मरीज की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 1,48,471 हो गयी। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह लगातार दूसरा दिन है जब राज्य में संक्रमण के एक हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले, बुधवार को राज्य में संक्रमण के 1,115 नए मामले सामने आए थे।

अधिकारी के मुताबिक इस दौरान राजधानी मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के 274 नए मामले सामने आए। अधिकारी ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 806 मरीज संक्रमण से मुक्त हुए जिससे अभी तक ठीक हुए मरीजों की संख्या बढ़कर 79,99,206 हो गई, जबकि राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 5,700 है।

कांग्रेस में शामिल होंगे पूर्व उपमुख्यमंत्री सावदी

बेंगलुरु। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा करने वाले पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया है। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने यह फैसला किया। शिवकुमार से उनकी मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और कांग्रेस महासचिव एवं कर्नाटक के पार्टी प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मौजूद थे। सावदी और सिद्धरमैया की मौजूदगी में मीडिया को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा, "वह (सावदी) अपनी इच्छा से हमारे परिवार (कांग्रेस) का सदस्य बनने को तैयार हो गए हैं।" शिवकुमार ने कहा कि सावदी आज दोपहर विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी से मिलेंगे और उन्हें अपना इस्तीफा सौंपने के बाद कांग्रेस में औपचारिक रूप से शामिल होंगे। सावदी के अनुरोध को नजरअंदाज करते हुए भाजपा ने इस सप्ताह की शुरुआत में बेलगावी जिले की अथानी सीट मौजूदा विधायक महेश कुमाथल्ली को दे दी थी।

गुवाहाटी में बोले पीएम मोदी, कहा-हमने पूर्वोत्तर के लोगों को करीब लाने के लिए समर्पण के साथ सेवा की है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के वसंत उत्सव 'रोंगाली बिहू' के पहले दिन शुक्रवार को, एक दिवसीय यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचे है। इश दौरान गुवाहाटी एयरपोर्ट पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इस एक दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14,300 करोड़ रुपये की लगात की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गुवाहाटी और चिकित्सा महाविद्यालयों जैसी नयी सुविधाओं की शुरुआत से असम और पूरे पूर्वोत्तर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर में सामाजिक बुनियादी ढांचे में आमूलचूल सुधार सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर में 1,123 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पहले एम्स को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए आयोजित एक समारोह में कहा, "पहले की सरकारों के लिए पूर्वोत्तर

दूर था... हम लोगों ने इसे करीब लाने के लिए समर्पण के साथ सेवा की है।"

उन्होंने एम्स, गुवाहाटी परिसर में आयोजित समारोह में कहा कि पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर में सामाजिक बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा, "हम अपनी नीतियां देशवासी प्रथम के आधार पर बनाते हैं... (लेकिन) विपक्ष श्रेय लेने का भूखा है और ऐसे लोग देश को बर्बाद करते हैं।" उन्होंने कहा, "हम लोगों के लिए 'सेवा भाव' के साथ काम करते हैं।" प्रधानमंत्री ने एम्स, गुवाहाटी के साथ ही नलबाड़ी चिकित्सा महाविद्यालय, नागांव चिकित्सा महाविद्यालय, और कोकराझार चिकित्सा महाविद्यालय को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इन तीनों महाविद्यालयों का निर्माण क्रमशः लगभग 615 करोड़ रुपये, 600 करोड़ रूपये और 535 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

इनमें से प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय में आपातकालीन सेवाओं, आईसीयू सुविधाओं, ओटी और डायग्नोस्टिक सुविधाओं आदि सहित ओपीडी व आईपीडी सेवाओं के साथ 500 बिस्तरों वाले शिक्षण अस्पताल संलग्न हैं। प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस छात्रों की वार्षिक प्रवेश क्षमता होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने मई 2017 में एम्स, गुवाहाटी अस्पताल का शिलान्यास भी किया था। कुल 1123 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित, एम्स गुवाहाटी 30 आयुष बिस्तरों सहित 750 बिस्तरों वाला एक अत्याधुनिक अस्पताल है। इस अस्पताल में हर साल 100 एमबीबीएस के छात्रों की वार्षिक प्रवेश क्षमता होगी। यह अस्पताल उत्तर पूर्व के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने तीन प्रतिनिधि लाभार्थियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) कार्ड वितरित कर आपके द्वार आयुष्मान अभियान की औपचारिक शुरुआत की।

इसके बाद राज्य के सभी जिलों में लगभग 1.1 करोड़ एबी-पीएमजेएवाई कार्ड वितरित किए जायेंगे। मोदी ने असम एडवांस्ड हेल्थ केयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट (एएएचआईआई) का शिलान्यास भी किया। देश में स्वास्थ्य सेवा में उपयोग की जाने वाली अधिकांश प्रौद्योगिकियां आयात की जाती हैं और वे एक अलग संदर्भ में विकसित की जाती हैं, जो भारतीय परिवेश में संचालित करने की दृष्टि से अत्यधिक महंगी और जटिल होती हैं। एएएचआईआई की परिकल्पना इन्हीं सन्दर्भों को ध्यान में रखकर की गई है और यह संस्थान 'हम अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढ़ लेते हैं' वाले दृष्टिकोण के साथ काम करेगा। एएएचआईआई का निर्माण लगभग 546 करोड़ रुपये की लागत से किया जाना है।

यह चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अत्याधुनिक आविष्कारों और अनुसंधान एवं विकास की सुविधा प्रदान करेगा, स्वास्थ्य से संबंधित देश की अनूठी समस्याओं की पहचान करेगा और उन समस्याओं को हल करने के लिए नई तकनीकों के विकास को बढ़ावा देगा। इससे पहले, असम के वसंत उत्सव 'रोंगाली बिहू' के पहले दिन शुक्रवार को एक दिवसीय यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचने पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की।

आईएएस अधिकारी, अन्य के परिसरों पर छापेमारी के बाद सात लोग गिरफ्तार

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित रूप से जमीन हड़पने के एक मामले में धनशोधन संबंधी जांच के सिलसिले में झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में छापेमारी के बाद एक सरकारी अधिकारी समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

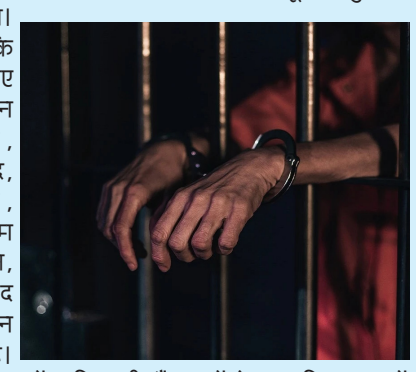

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अफशर अली, इम्तियाज अहमद, प्रदीप बागची, मोहम्मद सद्दाम हुसैन, तल्हा खान, भानु प्रताप प्रसाद और फैयाज खान के रूप में की गई है। प्रसाद राज्य सरकार में अधिकारी हैं। सूत्रों के मुताबिक, सातों लोगों को धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को कुल 22 स्थानों पर छापेमारी की गई थी। इस दौरान, झारखंड काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी छवि रंजन के परिसरों पर भी छापे मारे गए थे। रंजन पहले झारखंड की राजधानी रांची में उपायुक्त के तौर पर पदस्थ थे। यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की गई थी और एजेंसी कथित रूप से रक्षा भूमि सहित कई अन्य जमीन को हड़पने के मामलों की जांच कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बाबूलाल मरांडी ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी किया था और सवाल किया था कि ईडी की ताजा कार्रवाई के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन क्या कदम उठाएंगे।

कांग्रेस के साथ जुड़े पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी, भाजपा ने दी ये प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के लिए कई दल अपने-अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर रहे है। उम्मीदवारों के नामों का ऐलान होने के बाद अब पार्टियों में बगावत के सूर भी देखने को मिल रहे है। इसी कड़ी में अब भाजपा के पूर्व नेता और कर्नाटक के पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी ने 14 अप्रैल यानी शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। इसकी पुष्टि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी कर चुके है।

बता दें कि सावदी को बीजेपी ने अथानी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट नहीं दिया था जिससे नाराज होकर उन्होंने विधान परिषद के सदस्य और भाजपा की प्राथमिक सदस्तया से इस्तीफा दिया था। इसके बाद उन्होंने अब कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। सावदी अथानी विधानसा से तीन बार चुने जा चुके है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में वह कुमाथल्ली (तब कांग्रेस में) से हार गए थे। कुमाथल्ली पाला बदलने वाले कांग्रेस के उस समूह में शामिल थे, जिसने कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन की सरकार को गिराने और 2019 में बी एस येदियुरप्पा के नेतृत्व में सरकार बनाने में मदद की थी। इसके बाद

अब बीजेपी के नेताओं के भी कई बयान सामने आने लगे है। सावगी द्वारा कांग्रेस पार्टी का दामन थामे जाने के बाद बीजेपी ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा के कर्नाटक प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि चुनाव हारने के बाद भी पार्टी ने उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया। इसके साथ ही उन्हें एमएलसी बनाया गया था। इसके बाद भी वो ऐसी पार्टी में गए हैं जहां नेता दो गुटों में बंटे हुए है। ये गलती है जिससे उन्हें बाद में पछताना पड़ेगा। बता दें कि सावदी के अनुरोध को नजरअंदाज करते हुए भाजपा ने इस सप्ताह की शुरुआत में बेलगावी जिले की अथानी सीट मौजूदा विधायक महेश कुमाथल्ली को दे दी थी। इस मामले पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि हमने सावदी को सबकुछ दिया था। मुझे नहीं पता कि वो इस तरह से दुखी क्यों है। मुझे नहीं पता कि उन्होंने इस तरह का फैसला क्यों लिया है। मैंने उनसे संपर्क करने की कोशिश भी की मगर उनसे संपर्क नहीं हो सका है। बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पार्टी में हुई बगावत को लेकर कहा था कि 189 उम्मीदवारों के नाम क्षेत्रों में सहमति मिलने के बाद तय किए गए है। कुछ लोग सूची से वर्तमान में सहमत नहीं हैं जिनसे चर्चा की जाएगी। वहीं उन्होंने कहा था कि लक्ष्मण सावदी से भी बात कर उन्हें जल्द बाजी में निर्णय ना लेने की सलाह दी थी।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मश्रि कोरोना वायरस से संक्रमित

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। राजभवन ने मिश्र के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की जानकारी शुक्रवार को दी। राजभवन ने ट्वीट किया, "राज्यपाल कलराज मिश्र जी कोविड जांच रिपोर्ट में संक्रमित पाए गए हैं। गत कुछ दिनों में उनके संपर्क में आए लोग कृपया अपनी जांच कराएं।" इसमें सभी लोगों से सतर्क रहने एवं कोरोना वायरस संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया गया है। हाल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी संक्रमित पाई गई थीं। राजस्थान में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस से संक्रमित तीन और मरीजों की मौत हो गई थी और 293 नये मामले सामने आये थे। राज्य में बृहस्पतिवार शाम तक 1,474 संक्रमति उपाचाराधीन थे।

उच्च न्यायालय ने अब्दुल्ला आजम खान की सजा पर रोक लगाने से इनकार किया

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वर्ष 2008 में दर्ज एक आपराधिक मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान की सजा पर रोक लगाने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। इस मामले में मुरादाबाद की अदालत ने अब्दुल्ला को दो वर्ष की सजा सुनाई थी जिससे वह विधायक के तौर पर अयोग्य घोषित हो गए। मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने कहा, "वास्तव में याचिकाकर्ता बिना किसी आधार के अपनी सजा पर रोक लगवाने का प्रयास कर रहा है। सजा पर रोक का नियम नहीं है, बल्कि यह एक अपवाद है जो दुर्लभ मामलों में लागू होता है।"

अदालत ने कहा, "याचिकाकर्ता के खिलाफ 46 आपराधिक मामले लंबित हैं। राजनीति में शुचिता लाना आज के समय की मांग है। जनप्रतिनिधि ऐसे व्यक्ति हों जिनका पिछला जीवन मर्यादित हो।" अदालत ने कहा, "उपरोक्त परिस्थितियों के आलोक में सजा पर रोक लगाने से इनकार किए जाने से याचिकाकर्ता के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होगा। मुरादाबाद की अदालत द्वारा पारित आदेश ना केवल उचित और विधिपूर्ण है, बल्कि इसमें किसी तरह के हस्तक्षेप

की आवश्यकता नहीं है।" उल्लेखनीय है कि वर्ष 2008 में मुरादाबाद के छजलेट पुलिस थाना में अब्दुल्ला आजम खान और उनके पिता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 341 और 353 के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि मुरादाबाद में जांच के लिए पुलिस द्वारा वाहन रोके जाने के बाद उन्होंने ट्रैफिक जाम कर दिया था। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 13 फरवरी, 2023 को आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला को दो-दो वर्ष की सजा सुनाई और प्रत्येक पर तीन-तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया। बाद में मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी गई थी। हालांकि, दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के दो दिन बाद 15 फरवरी, 2023 को रामपुर की स्वार सीट से सपा विधायक अब्दुल्ला आजम खान को उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोगय घोषित कर दिया गया।

असम में बिहू डांस ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, 11 हजार से अधिक कलाकारों ने दी प्रस्तुति

अब पीएम मोदी भी बनेंगे मेगा समारोह का हिस्सा

नई दिल्ली। असम के नव वर्ष मनाए जाने वाले रोंगाली पर्व के मौके पर लोकनृत्य बिहू और पारंपरिक संगीत की प्रस्तुति कर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने के लिए असम के 11,304 नर्तकों और ढोल वादकों के साथ एक ही स्थान पर बिहू नृत्य करने और ढोल बजाया है। गुवाहाटी के सरुसजई स्टेडियम में एक साथ हजार से अधिक कलाकारों ने बिहू डांस कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी।

गौरतलब है कि बिहू उत्सव को असमिया संस्कृता के जीवन की रेखा कहा जाता है। इस खास मौके पर बनाए गए रिकॉर्ड को लेकर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह लोकनृत्य का सबसे बड़ा आयोजन था। लंदन में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स मुख्यालय के एक निर्णायक की उपस्थिति में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी और बिहू नृत्य और ढोल के लिए यह वैश्विक उपलब्धि हासिल की।

हिमंत विश्व शर्मा ने यहां इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में कहा,"हमने 11,304 नर्तकों और ढोल वादकों के साथ प्रस्तुति देकर बिहू नृत्य और बिहू ढोल, दोनों के लिए विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। यह एक ही स्थान पर सबसे बड़ा बिहू नृत्य और बिहू ढोल प्रदर्शन है।" गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में बिहू दर्ज करने की प्रक्रिया असम सरकार

द्वारा शुरू की गई थी। इस दौरान नृत्यांगनाओं के साथ 2548 ढोल वादकों ने भी शानदार प्रस्तुति दी। ये कार्यक्रम इतना शानदार था कि पूरा स्टेडियम दर्शकों से भरा पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी असम में मनाए जाने वाले 'रोंगाली बिहू' त्योहार के पहले दिन शुक्रवार को राज्य का दौरा करेंगे। इस दौरान वो लगभग 14,300 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री बिहू नृत्य भी देखेंगे जिसमें 10,000 से अधिक कलाकार शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन असम के बिहू नृत्य को असमिया लोगों की सांस्कृतिक पहचान और जीवन के शुभंकर के रूप में विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया गया है। इस कार्यक्रम में एक ही स्थान पर 10 हजार से अधिक कलाकार भाग लेंगे और एक ही स्थान पर दुनिया के सबसे बड़े बिहू नृत्य प्रदर्शन की श्रेणी में एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेंगे। इसमें राज्य के 31 जिलों के कलाकार भाग लेंगे।

पीएम मोदी ने 14 अप्रैल को एक दिवसीय असम दौरे पर है जहां वो लगभग 14,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात जनता को देंगे। इस दौरान पीएम मोदी कई परियोजनाओं की सौगात जनता को देंगे। वह एम्स, गुवाहाटी और तीन अन्य मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। एम्स, गुवाहाटी में कामकाज का शुरू होना असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

दो युवकों की हत्या के मामले में दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने भरतपुर के दो मुस्लिम युवकों का अपहरण करने और उन्हें जलाकर मार डालने के मामले में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को देहरादून के पास एक पहाड़ी गांव से गिरफ्तार किया गया, जहां वे छुपे हुए थे। भरतपुर के जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने शुक्रवार को बताया की युवक नासिर व जुनैद के अपहरण तथा हत्या के मामले में वांछित मुख्य आरोपी नरेन्द्र कुमार उर्फ मोनू राणा और मोनू उर्फ गोगी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के भरतपुर जिले की पहाड़ी तहसील में घाटमीका गांव के रहने वाले नासिर (25) और जुनैद (35) के बुरी तरह जले शव 16 जनवरी को हरियाणा में भिवानी जिले के लोहारू में एक जली हुई जीप से मिले थे। इन दोनों का एक दिन पहले 15 फरवरी को कथित गोरक्षकों ने अपहरण कर लिया था।

स्कूल नौकरी घोटाले के आरोपी कुंतल घोष से जल्द पूछताछ की जानी चाहिए : अदालत

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी और रिश्वत के बदले स्कूल में नौकरी मामले में आरोपी कुंतल घोष से ईडी और सीबीआई पूछताछ कर सकते हैं और इस तरह की पूछताछ जल्द की जानी चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा कि घोष के साथ ही बनर्जी से केंद्रीय एजेंसियां जल्द ही पूछताछ कर सकती हैं। न्यायाधीश ने कहा, "यहां मैं 29 मार्च, 2023 को अभिषेक बनर्जी द्वारा आयोजित एक जनसभा का संज्ञान लेता हूं, जिसमें उन्होंने कुछ लोगों से यह बताकर उनका समर्थन करने का आग्रह किया कि जब वो लोग हिरासत में थे, तो पुलिस या पूछताछ करने वाली एजेंसियों ने उन पर अभिषेक बनर्जी का नाम लेने के लिए दबाव डाला।" टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने 29 मार्च को कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित किया था। स्कूल नौकरी घोटाला मामले में आरोपी घोष ने हाल में आरोप लगाया था कि उन पर

अभिषेक बनर्जी का नाम लेने के लिए जांचकर्ताओं द्वारा दबाव डाला जा रहा है। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने कहा कि घोष द्वारा शिकायत 31 मार्च को विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष और 1 अप्रैल को कोलकाता के हेस्टिंग्स पुलिस थाने में 29 मार्च को बनर्जी के उक्त भाषण देने की तिथि के आसपास की गई थी। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने कहा कि इस मामले की जांच की आवश्यकता है। न्यायाधीश ने कहा, यह पूछताछ और जांच का विषय है कि क्या कुंतल घोष ने अभिषेक बनर्जी के सार्वजनिक भाषण से प्रेरणा ली, जिसके लिए दोनों से ईडी और सीबीआई दोनों द्वारा पूछताछ की जा सकती है और इस तरह की पूछताछ जल्द की जानी चाहिए।" न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने कहा कि पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज करके जांच एजेंसी के जांच अधिकारियों को आतंकित करना पूरी तरह से अनुचित है।

न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने कहा कि इस तरह के प्रयासों को तुरंत रोका जाना चाहिए, अन्यथा अधिकारी निडर तरीके से कार्य नहीं कर पाएंगे। न्यायाधीश ने कहा कि घोष ने सीबीआई या ईडी के साथ उनकी हिरासत समाप्त होने के तुरंत बाद दोनों एजेंसियों के अधिकारियों द्वारा किसी भी यातना की शिकायत नहीं दी और जब उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया तो 31 मार्च और 1 अप्रैल की शिकायतों में ऐसा किया। एजेंसी द्वारा गिरफ्तारी के बाद से घोष 2 फरवरी तक ईडी की हिरासत में थे और 20 से 23 फरवरी तक सीबीआई की हिरासत में थे।

भर्ती घोटाले से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने निर्देश दिया कि अदालत की अनुमति के बिना प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के जांच अधिकारियों के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा सकती। इसने निर्देश दिया कि सीबीआई अदालत के समक्ष दायर और हेस्टिंग्स पुलिस थाने को भेजे गए घोष के पत्रों को इस अदालत के अगले आदेश तक किसी भी तरह से प्रभावी नहीं किया जाए। ईडी और सीबीआई को 20 अप्रैल को इस अदालत के समक्ष वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ, यदि आवश्यक हो, तो इस मामले में अपनी जांच की रिपोर्ट दायर करने का निर्देश दिया गया, जब इस मामले की फिर सुनवाई की जाएगी।

संवैधानिक एवं सामाजिक न्याय के पक्षधर थे डॉ भीमराव अम्बेडकर -जिलाधिकारी

132वीं जंयती के अवसर पर कलेक्ट्रेट में आयोजित किया गया भव्य कार्यक्रम,जिलाधिकारी ने डॉ अम्बेडकर के जंयती पर जनपद वासियों को बधाई देते हुये माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर।संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर के 132वीं जंयती को कलेक्ट्रेट सहित जनपद के सभी कार्यालयो में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समारोह में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल सहित अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, नमामि गंगे अमरेन्द्र कुमार वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह सहित कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा डॉ अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। समारोह को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर संवैधानिक एवं सामाजिक न्याय के पक्षधर थे। उन्होने समाज में व्याप्त कुरीतियो को समाप्त करते हुये लोगो को एक समान अधिकार के साथ जीने का अवसर प्रदान किया हैं। उन्होने कहा कि भारत रत्न डॉ अम्बेडकर का भारतीय संविधान को बनाने में बड़ा योगदान रहा हैं। अंग्रेजी शासन के बाद सभी की यह चिंता थी कि विविध धर्म, जाति वाले विशाल भारत देश को एकजुट करके किस तरह से चालाया जायेगा परन्तु

आजादी मिलने के बाद डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व वाले संविधान निर्माता टीम के द्वारा जो संविधान बनाया गया उसमें सभी को बराबरी का सम्मान, अ धिकार व न्याय दिलाने का उल्लेख किया गया। भारत देश का यह संविधान दुनिया के सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संविधान हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि इस संविधान को अक्षुण बनाये रखने तथा इसके पालन के लिये हम सब की बड़ी जिम्मेदारी है भी अधिकारी कर्मचारी जिस भी पद पर कार्यरत है उसे गौरवशाली मानते हुये संविधान में उल्लिखित नियमो के तहत अपने कर्तव्यो को निष्ठा व ईमानदारी के साथ निर्वहन करे जिससे लोगो को न्याय मिल सकें। यही डॉ भीमराव अम्बेडकर व हमारे संविधान निर्माताओ के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर अपने जीवन में अनेक बाधाओ से लड़ते हुये लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे तथा उच्च शिक्षा ग्रहण कर राजनैतिक जीवन में आकर देश सेवा करने का मन बनाया तथा सामाजिक कुरीतियों एवं व्याप्त भेद भाव का विरोध करते हुये लोगो को एक रास्ते पर चलकर देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया। अपर जिलाअिधकारी नमामि गंगे ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर के निर्मित संविधान में प्रत्येक वर्ग व जाति को बराबर दर्जा दिया गया है तथा संविधान में उल्लिखित नियमो के तहत देश विकास के पथ पर अग्रसर है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि उनकी कृतित्व एवं व्यक्तिव का अनुसरण करते हुये अपने कर्तव्यो का निर्वहन करें। नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह ने कहा कि अनेक विविधता वाले देश में विधिताओं को स्वीकारते हुये डॉ भीमराव अम्बेडकर के द्वारा अंखण्ड भारत का निर्माण चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन डॉ अम्बेडकर के नेतृत्व वाली संविधान निर्माताओं के द्वारा एकता और अखण्डता के मूल मंत्र को साकार करते हुये भारत को एक मजबूत राष्ट के रूप में खड़ा किया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट की महिला कर्मचारियों में श्रीमती अलमबदा, सीमा देवी, पुष्पा, श्रीमती चिंता देवी सहित हौसला प्रसाद, एल0बी0सी0 रामपती, श्यामदेव, के0जी0 वर्मा सहित कई कर्मचारियो द्वारा अपने उद्बोधन एवं गीत के माध्यम से डॉ अम्बेडकर जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अशोक धर दूबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र, जिला सूचना अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी आलोक शर्मा सहित सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

रेडियो एवं इंटरव्यू हेड सुधांशु शर्मा हुए राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार से सम्मानित

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।आधुनिक समाचार से रेडियो एवं इंटरव्यू हेड सुधांशु शर्मा को वर्दी वेलनेस फाउंडेशन ,लखनऊ की तरफ़ से राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुधांशु लगभग पाँच सालों से पत्रकारिता के क्षेत्र में एक उभरता हुआ नाम नज़र आते है । इनके द्वारा लिये गये इंटरव्यू चाहे वो प्रशासनिक अधिकारियों के हो या अभिनेता/ अभिनेत्री के सब अपने आप में ही अलग मुक़ाम रखते है । यूट्यूब में स्टोरी टेलिंग से अपने कैरीअर की शुरुआत करने वाले सुधांशु पेशे से एक व्यवसायी भी है ,पर पत्रकारिता को अपना पैशन मानने वाले सुधांशु का कहना है कि अगर अपने काम के साथ अपने पैशन को भी समय और प्रतिबद्धता दी जाये तो आप किसी क्षेत्र में पीछे नहीं हो सकते।उनका कहना है कि आधुनिक समाचार के संपादक डॉ आफत सिंह ने उन्हें काफ़ी प्रोत्साहित किया है और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है ।सुधांशु राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार के अलावा भी कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके है।

नगर निकाय उम्मीदवारों हेतु डीएम ने जारी किया विवरण

बस्ती।जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने बताया कि नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 में सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद हेतु आयु 30 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 500, जमानत की धनराशि रू0 8 हजार, अधिकतम व्यय सीमा रू0 09 लाख है। सदस्य, नगर पालिका परिषद हेतु आयु 21 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 200, जमानत की धनराशि रू0 2 हजार, अधिकतम व्यय सीमा रू0 02 लाख है। उन्होने बताया कि अध्यक्ष, नगर पंचायत हेतु आयु 30 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 250, जमानत की धनराशि रू0 5 हजार, अधिकतम व्यय सीमा रू0 2.50 लाख तथा सदस्य नगर पंचायत हेतु आयु 21 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 100, जमानत की धनराशि रू0 2 हजार, अधिकतम व्यय सीमा रू0 50 हजार है। उन्होने यह भी बताया कि अनुसूचित जाति/ जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग महिला हेतु अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आयु 30 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 250, जमानत की धनराशि रू0 4 हजार, अधिकतम व्यय सीमा रू0 09 लाख है। सदस्य, नगर पालिका परिषद हेतु आयु 21 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 100, जमानत की धनराशि रू0 01 हजार, अधिकतम व्यय सीमा रू0 02 लाख है तथा अध्यक्ष, नगर पंचायत हेतु आयु 30 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 125, जमानत की धनराशि रू0 2500, अधिकतम व्यय सीमा रू0 2.50 लाख है। सदस्य नगर पंचायत हेतु आयु 21 वर्ष, नाम निर्देशन पत्र का मूल्य रू0 50, जमानत की धनराशि रू0 1 हजार, अधिकतम व्यय सीमा रू0 50 हजार है।

मिर्जापुर जिले के छानबे विधानसभा सीट पर उप चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रत्याशी 20 अप्रैल तक नामांकन कर सकेंगे। नामांकन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में आम नागरिकों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। केवल प्रत्याशी अपने दो प्रस्तावक के साथ प्रवेश कर पाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी दिव्या मित्तल ने गुरुवार को व्यवस्था का एडीएम शिव प्रताप शुक्ल के साथ नामांकन स्थल का निरीक्षण किया।

जयंती पर याद किए गए बाबा साहब, भाजपाइयों ने माल्यार्पण कर उतारी आरती!

प्रयागराज। 'संविधान निर्माता भारत रत्न डा. भीम राव अम्बेडकर जी की जन्म जयंती पर नगर पंचायत फूलपुर के पूरेमहारथ स्थित गजिया बस्ती मे बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण व पुष्पार्चण कर आरती उतारी गई।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव ने बाबा साहब के संघर्षों को याद करते हुए कहा की उन्होंने ने शोषितों वंचितो पीड़ितो के लिए आजीवन संघर्ष किया, आजाद भारत के संविधान में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता, लक्ष्मीकांत मिश्र काका, सुरेश विश्वकर्मा, राजकुमार कश्यप, जयप्रकाश, विजय कश्यप, राय साहब, रमेश गौतम, चंद्रकांत मिश्र, शैलेंद्र भारतीय, विजय शंकर, अजय विश्वकर्मा, प्रमोद पाण्डेय, संजय सहित मुहल्ले के दर्जनों लोग उपस्थित रहे !

महिलाओं का आदर हमारी प्राचीन संस्कृति व संस्कार -अवधेश निषाद

जूही जायसवाल,जूही सेवा संस्थान की लीडर हैं

प्रयागराज। भारत सरकार की सहयोगी एवं भ्रष्टाचार व अपराध मुक्त राष्ट्र हेतु कृतसंकल्पित संगठन के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश निषाद के अभिनंदन समारोह का आयोजन महिला सुरक्षा व सम्मान के लिए निरंतर कार्य कर रही 'जूही सेवा संस्थान' के केंद्रीय कार्यालय पर आयोजित किया गयात्राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मनोनयन व प्रथम गृहनगर आगमन पर अवधेश निषाद का सामाजिक अभिनंदन विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं व महिला संगठनों के द्वारा पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण व अंगवस्त्रम् भेंट कर किया गयात्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में बताया कि, अपराध मुक्त समाज की संकल्पना बिना महिलाओं के सहयोग से संभव नही हो सकता है , उन्होंने यह भी कहा की, महिलाओं का सम्मान हमारी संस्कृतियों की पाठशाला का प्रथम पाठ्यक्रम रहा, उदाहरण के लिए मनुस्मृति मे उल्लेख मिलता है,यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवतायत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः! जूही सेवा संस्थान की अध्यक्ष-संस्थापक एवं प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सम्मान व महिला सशक्तिकरण हेतु महिऐ की योजना मिशन शक्ति की सशक्त कड़ी जूही श्रीवास्तव ने संस्था का स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए बताया कि अवधेश निषाद के निःस्वार्थ सामाजिक कार्यों के संबंध में जनपद प्रयागराज ही नही अपितु प्रदेश स्तर से बहुत आगे तक चर्चा होती है,महिलाओं का सम्मान महिलाओं का आदर कैसे किया जाता है यह सब समाज के वर्तमान पीढ़ियों को अवधेश जैसे महान सामाजिक चिंतक से समझना चाहिए और ऐसी संस्कृति के हम जैसे लोग संवाहक बन रहे हैं तो यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है! कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप से अवधेश कुमार निषाद सुनीता चोपड़ा शिखा खन्ना मीरा श्रीवास्तव विवेक कुमार श्रीवास्तव अतिथिअंशु सिंह रोशनी अग्रवाल सरिता साहू अर्चना मौर्य सुधा निधि सुनीता पाल प्रतिभा अनुराधा बिंदु राजकुमार शिवम जितेंद्र कुशवाह आदी शामिल थे.

यूंका ने किया ' यंग इंडिया के बोल सीजन - 3 ' का विमोचन

प्रयागराज। इलाहाबाद शहर में प्रदेश युवा कांग्रेस के निर्देश पर शहर अध्यक्ष निशांत रस्तोगी के नेतृत्व में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसमे ' यंग इंडिया के बोल सीजन - 3 ' प्रतियोगिता का विमोचन जिला प्रभारी अजीत तिवारी द्वारा किया गया।

युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष निशांत रस्तोगी ने कहा कि यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किया गया है, यह भारतीय युवा कांग्रेस का एक महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट हैं जिसके तहत आम और सामान्य पृष्टभूमि के प्रतिभाशाली युवाओं को राजनीतिक मंच मुहैया कराया जाता हैं। प्रदेश संयोजक प्रांजल तिवारी ने बताया की जिस दौर में भाजपा नागरिकों की अभिव्यक्ति का आक्रमण कर रही हैं उस दौर में युवा कांग्रेस देश के युवाओं को बोलने का मंच प्रदान कर रही हैं। यमुनापार अध्यक्ष सूरज शुक्ला ने बताया कि आम और सामान्य परिवार के युवाओं को राजनीति से जोड़कर सहभागी लोकतंत्र को मजबूत बनाना इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य हैं। वहीं गंगापार अध्यक्ष जैग़म फारुकी ने कहा कि पिछले दो सीजन की अभूतपूर्व सफलता के बाद अब हम तीसरा सीजन शुरू कर रहे हैं। आज देश महंगाई, बेरोजगारी, सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री, चीनी घुसपैठ, किसान समस्या, गिरती हुई अर्थव्यवस्था जैसे कई अन्य ज्वलंत मुद्दे हैं किंतु भाजपा सरकार इन असल मुद्दो से देश का ध्यान भ्रमित करने के लिए निरर्थक व उन्मादी मुद्दो को हवा देने का काम करती हैं ऐसे में इस प्रतियोगिता का सीजन - 3 भी देश के युवाओं की मुखर आवाज़ बनने का काम करेगा। विमोचन समारोह में शहर अध्यक्ष निशांत रस्तोगी, जमुनापार अध्यक्ष सूरज शुक्ला, जैग़म फारुकी, उत्कर्ष, कामेश्वर सोनकर, हिमांशु, रिषभ, विराज ,अमित पांडे,शुभम , हर्षित,हर्ष शर्मा, अंकुश सिंह समेत अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डाक्टर भीम राव अंबेडकर संविधान निर्माता ही नही बल्कि महान समाज सुधारक युग पुरुष भी थेः बिपेंद्र सिंह पटेल

प्रयागराज। भारत रत्न बोधिसत्व डाक्टर भीमराव अंबेडकर संविधान निर्माता ही नही बल्कि महान समाज सुधारक युग पुरुष रहे उनके त्याग बलिदान को कभी भुलाया नही जा सकता है उक्त बाते शुक्रवार को फूलपुर क्षेत्र के कोड़ापर ग्राम पंचायत सचिवालय में आयोजित भीम राव अंबेडकर जयंती के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख फूलपुर बिपेंद्र सिंह पटेल ने कही । उन्होंने कहा की सामाजिक समरसता लाने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। वही भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ट नेता काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पूर्व चेयरमैन अमरनाथ यादव ने कहा की डाक्टर भीम राव अंबेडकर ऐसे युग पुरुष रहे जिन्होंने दलितों,पिछड़ी और महिलाओं को जी संवैधानिक अधिकार दिए उसे कभी भी भुलाया नही जा सकता है। रामकुमार गोंड ने डाक्टर साहब के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार में शिक्षा सर्वपरि है जिससे विकास के सभी दरवाजे खुलते है। रूप चंद्र भारतीय ने डाक्टर साहब पर अपना विचार व्यक्त करते हुए समाज को नशामुक्ति बनाने पर बाल बल दिया तो अनिल कुमार ने समाज में अभिभावकों के जिम्मेदारी का बोध कराया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानपति मौजी लाल रावत ने किया उक्त विचार गोष्ठी के पूर्व सभी वक्ताओं सहित उपस्थित लोगो ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित किए तत्पश्चात सभी लोग डीजे बैंड बाजे के साथ जुलूस लेकर बगल के गांव भमई हुसामगंज के जमलापुर पहुंचे जहां कई गांवों के लोग सभा स्थल पर उपस्थित रहे वहा ही वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए जिसमे मुख्य अतिथि प्रोफेसर डाक्टर सुधीर सिंह रहे तो विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख फूलपुर बिपेंद्र सिंह पटेल, पूर्व चेयरमैन अमरनाथ यादव,अशोक कुमार मौर्य,गिरीश चंद पटेल,राम सूरत यादव,अखिलेश कुमार भारतीय,मूलचंद्र गौतम एडवोकेट रहे कार्यक्रम का संचालन अवकाश प्राप्त डी एफ ओ भारत लाल भारतीय ने किया।

भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे धूम धाम के साथ मनाई गई

आधुनिक समाचार सेवा
देव मणि शुक्ल

नोएडा अम्बेडकर पार्क, अम्बेडकर विहार सेक्टर 37 में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर सभों पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर फूल मालाएं पहनाई।

इस मौक़े पर सांसद डॉ महेश शर्मा और विधायक पंकज सिंह ने सबसे पहले बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करी और उसके बाद उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि आज हम सबके लिए संकल्प का दिन है। बाबा साहब हर समाज, जाति और पिछड़ों के लिए एक प्रेरणा थे। उन्हें केवल एक जाति में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने भारत की विकास यात्रा को सफल रूप से गतिमान करने का कार्य किया।आज भारत जो तीव्र गति से आगे बढ़ा है, इसमें उनका बहुत बड़ा योगदान है। जिन्होंने सारे समाज को एकत्र करके एक साथ आगे बढ़ाने में, संवैधानिक ढांचे में उसकी व्यवस्था की थी।

विधायक पंकज सिंह ने कहा कि बाबा साहेब संविधान के चीफ आर्किटेक्ट रहे। उन्होंने भारत के संविधान में सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और प्रजातंत्र किस तरह से मजबूत हो सकता है, इसकी नींव उन्होंने संविधान के माध्यम से रखी थी। इसी के चलते भाजपा के स्थापना दिवस 6 अप्रैल से आज डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती तक पार्टी सामाजिक न्याय सप्ताह मना रही है।

इस मौके पर उमेश त्यागी, गणेश जाटव, तन्मय शंकर, इंद्रजीत जाटव, हर्ष चतुर्वेदी, योगेन्द्र चौधरी, गिरीश कोतनाला, महेश अवाना, सूरज पाल राणा, कल्लू सिंह, करतार सिंह, लोकेश कश्यप, गोपाल गौड़, बबलू यादव, पंकज झा, मनोज चौहान, चमन अवाना, प्रमोद बहल, रवि यादव, मोनिका श्रीवास्तव, अर्पित मिश्रा, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष की कुशल रणनीतियों से बदल सकते हैं सीतापुर सदर की नगर पालिका अध्यक्ष सीट के चुनावी समीकरण

आधुनिक समाचार सेवा

सीतापुर। सदर की नगर पालिका अध्यक्ष की सीट पर जहां कई वर्षों से समाजवादी पार्टी के विधायक राधेश्याम जायसवाल का दबदबा रहा है वहीं इस बार उनकी पकड़ ढीली होती नजर आ रही है इसका कारण भाजपा के 2017 में विजय विधायक राकेश राठौर का समाजवादी पार्टी में शामिल होने से समाजवादी पार्टी दो वर्गों में बढ़ती नजर आ रही है वही पिछले चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे प्रत्याशी ललित श्रीवास्तव भी भाजपा में

शामिल होकर पार्टी को मजबूती दे रहे हैं । मौजूदा भाजपा जिलाध्यक्ष के कार्यकाल में सिधौली विधानसभा सीट पर जीत कर एक इतिहास रचना सभी के लिए अचंभित रहा है सूत्रों की माने तो इस बार नगर पालिका अध्यक्ष की सीट पर भी भाजपा की ऐतिहासिक जीत तय है।

मैहर बंशीपुर में संपन्न हुआ बाबा साहब का 132वी जयंती समारोह

कलाकारों की प्रस्तुतियों से जमकर झूमे लोग

आधुनिक समाचार सेवा
दिनेश यादव

सतना। मैहर विधानसभा के ग्राम पंचायत बंसीपुर में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में सांकृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भीम मिशन समिति के तत्वावधान आज 14 अप्रैल को लगभग 3:00 बजे से प्रारंभ हुआ। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह रात तक चलता रहा।

इस दौरान बाहरी और क्षेत्रीय कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दीआंबेडकर प्रस्तुति और राष्ट्रभक्ति प्रस्तुति मशहूर लोकगीत गायिका श्रीमती शांति पटेल की टीम के ओर से दी गई। इसी के साथ के ओर से प्रस्तुत संगीत पर श्रोता जमकर झूमे।

मशहूर लोकगीत भजन गायिका शांति पटेल की आवाज से श्रोता झूम उठे। साथ ही कलाकारों ने मंच पर पहुंच कर फूलों की बरसात कर दी।

बता दें कि बाबा भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह की तैयारी लगभग कई दिनों से चल रही थी। संगीत और नृत्य कार्यक्रम के अलावा बाबा साहब के जीवन पर आधारित उद्बोधन भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी और बाहरी लोग

उपस्थित हुए। जिनके लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी।

मंच का संचालन सुरेंद्र सिंह के ओर से किया गया। कार्यक्रम के आयोजक श्रीमती सुमन श्री राम पटेल सरपंच ग्राम पंचायत बंसीपुर कार्यक्रम में सहयोग करने वाले गणमान्य नागरिकों और कार्यक्रम में श्रमदान करने वालों को मंच पर पुष्पमाला से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य सत्यभान सिंह सांसद प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य रामबली कुशवाहा, फूलचंद कुशवाहा एवं हजारों की संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे जिनके ओर से अपने उद्बोधन में बाबा साहब आंबेडकर के विषय में कई रोचक जानकारियां दी गई। साथ ही कई महत्वपूर्ण घोषणाएं व आश्वासन भी दिए गए। इस प्रकार पूर्व निर्धारित 14अप्रैल 2023 का आंबेडकर जयंती समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ

भरत मिलाप आदि प्रसंगों का किया भावपूर्ण वर्णन

आधुनिक समाचार सेवा
देव मणि शुक्ल

नोएडा।सेक्टर 82 स्थित पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के आठवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने दशरथ मरण , भरत मिलाप , सीता हरण , जटायु उद्धार का मार्मिक प्रसंग सुनाया। इस अवसर पर गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया।भगवान राम, लक्ष्मण और सीता सहित चित्रकूट में वास करते हैं। इधर राजा दशरथ राम के वियोग में अपने प्राण त्याग देते हैं। भरत जब अयोध्या लौटते हैं तो राम जी को वनवास और पिता की मृत्यु पर अपनी मां को धिक्कारते है। भरत जी गुरु व माताओं सहित चित्रकूट राम जी को मनाने पहुंचते हैं । भगवान राम उनको गले से लगाकर

मिलते है और पिता का आदेश याद दिलाकर वापस अयोध्या भेज देते है। भरत भगवान राम की खड़ाऊँ लेकर सभी के साथ अयोध्या वापस आ जाते हैं और खडायूं को सिंहासन पर विराजित कर देते हैं। आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 15 अप्रैल को कथा के विश्राम दिवस पर श्रीराम हनुमान भेंट, श्रीराम विभीषण मित्रता, हनुमान जामवंत संवाद, रावण वध , राम राज्याभिषेक आदि प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा।इस अवसर पर आचार्य विश्वनाथ त्रिपाठी, आचार्य गौरव , आचार्य नीरज शर्मा , देवमणि शुक्ल, रवि राघव, अंगद सिंह तोमर, संजय पांडे, एन के सोलंकी, संजय शुक्ल, हरि शंकर सिंह, बृज किशोर,गोरे लाल,सुशील पाल, संगम प्रसाद मिश्र, राजेश गुप्ता, गुरुमेल सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, पंकज झा, सियाराम ,शिवव्रत तिवारी , विकास शर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, रमेश कुमार वर्मा, हंस मणि शुक्ल, राजेश राघव शिव चौधरी प्रमोद भारद्वाज पं दयानंद शास्त्री सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

कार मार्किट पर कुछ लड़को द्वारा ग्राहकों को गुमराह कर मार्किट की छवि को खराब की

आधुनिक समाचार सेवा
देव मणि शुक्ल

नोएडा कार मार्किट वल्फ़ेयर एसोसिएशन सेक्टर 16 के संजय चौहान ने बताया कि कार मार्किट के अन्दर लगभग 300 दुकाने है जिसके मुख्यद्वार पर कुछ लड़के जमावड़ा लगाकर खड़े रहते है। ग्राहक जैसे ही मार्किट में प्रवेश करता है। ये लड़के ग्राहक को घेर लेते है और मार्केट के मेन रास्ते में ही गाड़ी लगाकर काम करना शुरू कर देते है जिससे मार्केट का रास्ता भी ब्लॉक हो जाता है। ये लड़के ग्राहक से उल्टे सीधे पैसों से ठगते भी है और बदसलूकी भी कर देते है जिससे मार्किट की छवि दिन पर दिन खराब होती जा रही है। इस विषय को प्रशासन के सन्दर्भ में लाया गया है। कई बार नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन कोई उचित कार्यवाही नहीं हुई। कई बार निवेदन करने पर सिर्फ आश्वाशन ही मिला है। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन से भी कई बार अनुरोध किया गया लेकिन वहां से भी सिर्फ अस्वाशन ही मिला है। उन्होंने कहा की नोएडा की सबसे पुरानी कार मार्किट यही है जो नोएडा प्राधिकरण से अलॉट है। अब यहां के सभी व्यापारी दुकानदार भाई बेहद परेशान है जिनकी कोई सुध लेने वाला नहीं है। प्रेससवार्ता के दौरान कार मार्किट वल्फ़ेयर एसोसिएशन के राजीव त्यागी, संजय चौहान, दलवीर सिंह रावत, हरिश्चंद्र सिंह, मोनू ठाकुर, पवन डेंगा, रजनीश गहलोत्रा, राजीव रत्न, अनिल खुराना, संजय श्रीवास्तव सहित मार्किट के व्यापारी मौजूद रहे।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiti.com | Mail us at – info@nainiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

बनें बोल्ड, ऐटमौस्फियर रखें बोल्ड

बोल्ड होना कोई दादागीरी या फिर रोब जमाना नहीं होता बल्कि अपने हक के लिए लड़ना, मुसीबत या बुरे समय में न घबराना और विपरीत परिस्थितियों को अपनी सूझबूझ से काबू करना होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो बोल्डनैस स्मार्टनैस है यानी कि कठिन सिचुऐशन को पैनिक हुए बिना कौन्फिडैंस के साथ हैंडिल करना ही बोल्डनैस है। आइए, जानें हम कहां और कैसे बोल्ड हो सकते हैं। गर्लफ्रैंड या बौयफ्रैंड से ब्रेकअप होने के बाद युवाओं की दुनिया ही बदल जाती है। उन का किसी भी काम में मन नहीं लगता, वे तनाव महसूस करते हैं व लोगों से कटेकटे से रहने लाते हैं। इस से आसपास का माहौल भी खराब होता है। लोग ऐसे लोगों से बात करने में कतराते हैं और उसे बेचारा समझ कर दया की नजर से देखते हैं। लेकिन अगर ब्रेकअप के बाद आप को बेचारा नहीं बनना तो ब्रेकअप को बोल्डली हैंडिल करें। अगर आप का ब्रेकअप हो गया है तो उसे जिंदगी का अंत नहीं बल्कि जिंदगी की नई शुरुआत के तौर पर देखें। जिस तरह आप ने फ्रैंडशिप होने पर सैलिब्रेट किया था उसी तरह ब्रेकअप को भी सैलिब्रेट कर के अलग हों, ब्रेकअप के बाद एकदूसरे के दुश्मन नहीं बल्कि दोस्त की तरह रहें। ऐक्स की जिंदगी में अगर कोई और आ जाता है तो उसे मुबारकबाद दें और खुद भी आगे बढ़ जाएं। आसपास के लोगों को भी यह बता दें कि यह आप के जीवन की कोई दुखद घटना नहीं है बल्कि लाइफ का एक फेस है जिसे ऐक्सैप्ट करते हुए आप आगे बढ़ रहे हैं। **नशे की लत :** मजेमजे में एकाध बार दोस्तों के साथ नशा करने पर आप को पता ही नहीं चला कि कब उस की लत लग गई, उस की वजह से घर में मम्मी, पापा, बहन सब परेशान हैं। लेकिन आप को परेशान नहीं होना है और उन्हें कौन्फिडैंस के साथ कहना है कि अगर लत लग गई है तो क्या हुआ इसे छोड़ा भी जा सकता है। इसे एक बीमारी की तरह लें और उस का इलाज कराएं। योगा और अन्य उन सभी चीजों का इस्तेमाल करें जो नशे की लत को छुड़ाने में मददगार साबित हों। जब आप खुद अपने लिए इस तरह के स्टैंड लेंगे तो घर के लोगों और दोस्तों को भी आप पर विश्वास होगा और वे खुद हिम्मत हारने के बजाय इस में आप का साथ देंगे। **कैब में गड़बड़ होने पर :** अगर आप कैब से सफर कर रहे हैं और आप को लगता है कि कैब ड्राइवर गलत है, उस के इरादे ठीक नहीं हैं या वह आप को अनजानसुनसान रास्तों से ले जा रहा है और उस के 1-2 साथी भी कैब में बैठे हैं तो उस सिचुऐशन को बोल्डली हैंडिल करें। घबराएं नहीं और कैब ड्राइवर को यह एहसास न होने दें कि आप डर रही हैं बल्कि कौन्फिडैंटली उसे कहें कि आप इस रास्ते से नहीं जाना चाहतीं, आप उसे रास्ता खुद बताएंगी। साथ ही अपने घर वालों को तुरंत गाड़ी का नंबर आदि उस के सामने ही बताएं कि आप इस नंबर की गाड़ी से घर आ रही हैं। जहां से कैब बुलाई है उस कंपनी में बात करें। जब उन्हें लगेगा कि आप डर नहीं रही हैं, तो उन की आधी हिम्मत तो वैसे ही टूट जाएगी। अगर फिर भी खतरा लगे और किसी भी रैड लाइट पर गाड़ी रुके तो किसी को बिना कुछ कहे तुरंत गाड़ी से उतर जाएं और कैब कंपनी व पुलिस को इस की शिकायत करें। यदि इस पूरे मामले को आप बिना डरे, समझदारी और कौन्फिडैंस के साथ निबटाएंगी तो सुरक्षित बच निकलेंगी। यह न सोचें कि आप फंस गई हैं बल्कि यह सोचें कि इस स्थिति से निकलने का एक मौका तो है ही आप के पास और इस में आप सफल भी होंगी। यह सोचते ही आप को आसपास का वातावरण अपने पक्ष में लगने लगेगा। **नंबर कम आने पर :** अगर आप के नंबर कम आए हैं और किसी अच्छे कालेज में ऐडमिशन होने की उम्मीद भी नहीं बची है, तो ऐसे में हिम्मत हारने के बजाय ठंडे दिमाग से यह सोचें कि क्या कालेज में ऐडमिशन मिलना ही आखिरी रास्ता है या फिर आप अपनी जिंदगी में कुछ और चाहते हैं। एक बार फिर खुद को टटोलें कि कहीं आप की बिजनैस करने की इच्छा तो नहीं है। अगर ऐसा है तो अब अपने पेरैंटस को बोल्डली बताएं कि नंबर कम आने की वजह ही यही है कि आप को पढ़ाई में रुचि नहीं है। अपनी लाइफ के लिए आप ने कुछ और ही सोचा हुआ है और उस में आप को सफलता जरूर मिलेगी, इसलिए इन नंबरों से कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन अगर ऐसा नहीं है तो भी जो हुआ सो हुआ। कालेज में ऐडमिशन नहीं मिल रहा है तो कोई बात नहीं बाकी औप्शंस के बारे में सोचें और प्रोफैशनल कोर्सेज के बारे में पता करें और पेरैंटस को बताएं कि आप को यह बेहतर लग रहा है।

नई जौब मिलने पर : नई जौब में बिंदास रहें। जो काम नहीं आता है उस के लिए घबराएं नहीं बल्कि उसे सीखें। अपने आसपास के लोगों को यह बिलकुल भी जाहिर न होने दें कि आप नए हैं और आप को यह काम नहीं आता है बल्कि उन्हें बताएं और दिखाएं कि आप अपने काम को ले कर पूरी तरह कौन्फिडैंट हैं और आप सब कर सकते हैं बस, मौका मिलने की देर है। आगे बढ़ कर काम को अपने हाथ में लें और उसे समय पर पूरा कर अपनी एक अलग पहचान बनाएं। **चोरों के चंगुल में फंसने पर :** अगर कभी रास्ते में गाड़ी रुकवा कर कोई आप को लूटने की कोशिश करे तो घबराएं नहीं बल्कि हिम्मत से सामना करें।इसी तरह अगर घर में चोर घुस जाएं तो घबराए बिना पहले यह देखें कि उन की संख्या कितनी है और क्या परिवार के सभी लोग मिल कर उन पर काबू पा सकेंगे। हमेशा याद रखें कि आप की संख्या यदि उन से अधिक है तो आप उन्हें आसानी से काबू कर लेंगे बस, हिम्मत का परिचय देना होगा और मन में विश्वास रखना होगा। **ईव टीजिंग का शिकार होने पर :** कालेज हो, बस हो या फिर मार्केट हर जगह ऐसे लोग मिल ही जाते हैं जो अश्लील टिप्पणियां करने से बाज नहीं आते। लेकिन यह भी सच है कि वे उन्हीं युवतियों पर ज्यादा फबतियां कसते हैं जो उन की बातें सुनती हैं, बरदाश्त करती हैं और उन से डर कर अपना रास्ता बदलने की कोशिश करती हैं। अगर आप के साथ भी ऐसा हो तो डरें नहीं बल्कि उस का डट कर सामना करें। उन की बातों का जवाब दें और आसपास के लोगों को एकत्रित कर के उन की हरकतों के बारे में बताएं। तुरंत पुलिस को भी सूचित करें। आप का यह जोश देख कर पास खड़े लोग भी मदद के लिए जरूर आएंगे इसलिए ऐसे लोगों से डरें नहीं बल्कि तुरंत उन की शिकायत करें और उस का हल निकालें। रास्ता बदल देना समस्या का समाधान नहीं है बल्कि उसे जड़ से खत्म करना होगा।

जब घर पर आएं मेहमान तो कुछ इस तरह बनाएं टेस्टी पालक के कबाब

पालक एक ऐसी सब्जी है, जो सेहत के लिए बेहद लाभदायक मानी जाती है। आमतौर पर लोग इसके पकौड़े, परांठे या सब्जी आदि बनाना पसंद करते हैं। लेकिन पालक के

कबाब भी खाने में बेहद ही डिलिशियस लगते हैं। खासतौर से, जब आपके घर में मेहमान आए हों और आप उन्हें एक डिफरेंट स्नैक सर्व करना चाहती हों तो ऐसे में पालक के टेस्टी कबाब बना सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पालक के कबाब बानाने की आसान विधि के बारे में बता रहे हैं- **सामग्री-** 2 कप पालक, एक चौथाई कप धनिया, आधा कप पुदीना, एक चौथाई कप बीन्स, एक चौथाई कप मटर,एक छोटी शिमलामिर्च, एक कप कद्दूकस किया हुआ पनीर

चार-पांच उबले आलू, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया जीरा पाउडर, गरम मसाला,चाट मसाला, दो टेबलस्पून कॉर्नस्टार्च, थोड़े काजू, स्वादानुसार नमक ब्रेड के स्लाइस या ब्रेडक्रम्स।

विधि- पालक के कबाब बनाने के लिए आपको सबसे पहले पालक को ब्लांच करना होगा। इसके लिए आप एक बर्तन में थोड़ा पानी डालकर उबालें। अब आप इसमें पालक डालें और करीबन दो मिनट के लिए ब्लांच करें। अब पालक को बाहर निकालें और उसे चम्मच की मदद से हल्का दबाकर उसका अतिरिक्त पानी निकालें। अब पालक को ठंडा होने दें और उसमें से अतिरिक्त पानी निचोड़कर निकाल लें। अब एक मिक्सर का जार लेकर उसमें पालक, पुदीना, धनिया, बीन्स, शिमलामिर्च व मटर डालकर अच्छी तरह ग्राइंड करें और पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को एक बाउल में निकालें और इसमें उबले व मैश किए हुए आलू मिलाएं। अब इसमें पनीर, कॉर्नस्टार्च, एक कप ब्रेडक्रम्स, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया-जीरा पाउडर, गरम मसाला, चाट मसाला, नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब हाथों पर थोड़ा ऑयल लगाएं और थोड़ा मिश्रण लेकर उसे रोल करते हुए टिक्की का शेप दें। वैसे आप चाहें तो अपनी पसंद से इसकी शेप को चेंज भी कर सकते हैं। साथ ही इसके साइज को भी ज्यादा बड़ा ना रखें। आप इसी तरह सारे मिश्रण से कबाब तैयार कर लें। अब आप एक प्लेट में ब्रेडक्रम्स डालें और सभी कबाब को इससे कोट करें और फिर हर कबाब के ऊपर एक-एक काजू लगाएं। इसके बाद आप एक कड़ाही में ऑयल डालकर उसे गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो कड़ाही में एक-एक करके कबाब डालें और फिर धीमी आंच पर इसे सेंकें। ताकि कबाब अच्छी तरह अंदर तक सिकें और बाहर से क्रिस्पी हो जाएं। अब इन्हें एक टिश्यू पेपर पर निकालें। बस आपका हरा-भरा कबाब बनकर तैयार है। आप इसे सॉस व हरी चटनी के साथ सर्व करें।

इसे बनाने वालों का कहना है कि इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि एक बार इसे खाने वाला हमेशा सैन्क में इन कबाब को बनाना और खाना पसंद करेगा।

भूख बढ़ाता है करेले का जूस, शुगर और कैंसर के लिए भी है फायदेमंद

करेला स्वाद में जितना कड़वा होता है, उसके फायदे उतने ही ज्यादा होते हैं। अधिकांश लोगों को नहीं पता होगा कि करेला सिर्फ सब्जी ही नहीं यह एक फल भी है। अधिकांश फल मीठे होते हैं, लेकिन यह कड़वा फल कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें भारी मात्रा में आयरन, मैगनेशियम, विटामिन सी और पोटैशियम पाया जाता है। करेले की जूस पीना स्वास्थ्य के लिए हैरतअंगेज फायदे देने वाला है। इसके कड़वेपन की वजह से अगर आप इसे नहीं पी पीते तो इसमें शहद या फिर गुड़ मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं। या फिर इसे सेब के जूस या नींबू के जूस के साथ भी पी सकते हैं। आज करेले के जूस के सेहत से जुड़े अनेक फायदों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल कर आप कई तरह की बीमारियों से मुक्त हो सकते हैं। **शुगर कंट्रोल करने में -** शरीर में शुगर को नियंत्रित करने के लिए तीन दिन तक सुबह खाली पेट करेले का जूस पीने से शुगर की समस्या में काफी राहत मिलती है। इसमें मौजूद मोमर्सिडीन और चैराटिन जैसे एंटी-हाइपर ग्लेसेमिक तत्वों के कारण यह ब्लड शुगर लेवल को मांसपेशियों में ठीक तरह से संचालित करने में मदद करता है। इसके बीजों में भी पॉलीपेप्टाइड-पी नाम का तत्व पाया जाता है। यह भी शुगर लेवल को कम करने में मदद करता है। **भूख बढ़ाने में -** अगर आपको भी भूख नहीं लगती या फिर कम लगती है तो करेले का जूस आपकी इस समस्या का इलाज हो सकता है। भूख नहीं लगने की वजह से शरीर को पूरी तरह से पोषण नहीं मिल पाता। जिस वजह से स्वास्थ्य से सम्बंधित कई तरह की परेशानियां जन्म लेती हैं। करेले का जूस रोजाना पीने से पाचन क्रिया सही रहती है तथा भूख बढ़ती है। **कैंसर के उपचार में -** करेले में कैंसर ठीक करने वाले तत्व भी पाए जाते हैं। रोजाना एक गिलास करेले का जूस पीने से अगनशय में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं। करेले में मौजूद एंटी-कैंसर कम्पोनेंट्स अगनशय का कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं में ग्लूकोस का पाचन रोक देते हैं जिससे इन कोशिकाओं की शक्ति ख़त्म हो जाती है और कैंसर की संभावना भी। **दृष्टि-दोष दूर करने में -** करेले का जूस आंखों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। नियमित करेले के जूस का सेवन कर आप दृष्टि दोष दूर कर सकते है। करेले में बीटा- कैरोटीन और विटामिन ए की अधिकता होती है जो आंखों के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा इसमें उपस्थित विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से होने वाली नजरों की कमजोरी से भी बचाते हैं।

कोरोना काल में बच्चों का अतिरिक्त ध्यान रखना है जरूरी, कैसे करें उनकी केयर

देश में कोरोना वैक्सीन लगना शुरू हो गया है, लेकिन इसके बावजूद खतरा अभी पूरी तरह से टला नहीं है। हाल में जिस तरह कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, इससे तो यही लग रहा है कि संकट और गहराता जा रहा है। इस बीमारी में बूढ़ों के अलावा बच्चों का भी अतिरिक्त ध्यान रखने की जरूरत होती है। अगर उनके स्वास्थ्य के साथ किसी तरह की लापरवाही बरती जाए तो गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि कोरोना काल में बच्चों को कैसे रखें सुरक्षित-

भीड़ से रखें दूरः बच्चों के लिए हरवक्त घर के अंदर रहना मुश्किल होता है। वैसे भी उनके विकास के लिए फिजिकल एक्टिवटिी बहुत जरूरी है। लेकिन कहते हैं न! जान है तो जहान है। इसलिए बच्चों को इन दिनों किसी भी तरह की सार्वजनिक जगहों पर न ले जाएं। बाल रोग विशेषज्ञों की मानें तो बच्चों को भीड़ भरे इलाकों से दूर रखें। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि कोविड बहुत आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को हो सकता है। इसे फैलने में बहुत कम समय लगता है। बच्चों को भी यह बीमारी आसानी से हो सकती है। इसलिए बच्चे को लोगों के संपर्क से दूर रखें। जितना संभव हो, उन्हें घर में रहने की ही सलाह दें।

हाईजीन का रखें ध्यानः स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इस बीमारी से बचने का एक आसान

और सरल उपाय है, अपनी साफ-सफाई यानी हाईजीन का ध्यान रखना। बच्चे से कहें कि किसी भी ऐसी चीज को हाथ न लगाएं, जिसे किसी और ने छुआ है। यदि वह ऐसा करते हैं, तो उन्हें तुरंत हाथ धोने या हैंड सैनिटाइज़र करने को कहें। इन दिनों हालांकि ज्यादातर बच्चों की ऑनलाइन क्लासेस चल रही हैं। इसके बावजूद कुछ बच्चे ट्यूशन जाने लगे हैं। ट्यूशन में कई बच्चों के साथ मुलाकात होती है। बातचीत होती है और एक ही चीज को कई बच्चे हाथ लगाते हैं। ट्यूशन से लौटने के बाद बच्चों को उनकी ड्रेस चेंज करने को कहें। इसके साथ ही घर की साफ-सफाई पर भी पूरा ध्यान दें। **प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाएं मजबूतः** बीते वर्ष हम सभी ने यह देखा कि जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत रही, वह इलाज मौजूद ना होने के बावजूद भी बेहद आसानी से इस बीमारी को मात दे पाए। इसलिए बच्चों को कोरोना से सुरक्षित रखने के लिए उनके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखकर, सही खानपान और अच्छी जीवनशैली को अपनाकर आप स्वस्थ रह सकते हैं। बच्चों की डाइट में उन चीजों को शामिल करें, जो उनके इम्यून को बेहतर बनाते हैं। जंक फूड आदि से उन्हें बिल्कुल दूर रखें।

कब्ज से परेशान हैं तो पीजिए इन फलों के जूस, जल्दी मिलेगा छुटकारा

कब्ज एक सामान्य उदर समस्या है। इसमें पेट ठीक से साफ नहीं होता और इस वजह से कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। कब्ज की वजह से पाचन तंत्र बुरी तरह से प्रभावित होता है और कई तरह की गंभीर समस्याएं जन्म लेती हैं। इसका सबसे प्रमुख कारण शरीर में पानी की कमी को माना जाता है। शरीर में पानी की कमी की वजह से आंतों में अपशिष्ट पदार्थ सूखने लगते हैं, जिससे जब मल त्याग करना होता है तब काफी जोर लगाना पड़ता है। इसीलिए इस रोग के रोगी को अधिक मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जाती है। यूं तो कब्ज की अनेक दवाएं बाजार में मौजूद हैं, लेकिन आज हम आपको घर पर ही बनाए जा सकने वाले कुछ ऐसे फलों के जूस के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका सेवन आपको कब्ज से निश्चित रूप से छुटकारा दिला देगा। **मोसम्बी -** मोसम्बी में पाया जाने वाला एसिड आंतों से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में काफी मदद करता है। इससे कब्ज में तुरंत राहत मिलती है। मोसम्बी के जूस में एक चुटकी नमक मिला देने से उसका प्रभाव थोड़ा और बढ़ जाता है। **पाइनएप्पल जूस -** कब्ज के लिए अनानास एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा है। अनानास का फल और जूस दोनों कब्ज के लिए बेहद लाभदायक हैं। पाइन एप्पल में ब्रोमलेन नाम का एंजाइम पाया जाता है जो आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है तथा उनमें अनियमितता को नियंत्रित करता है। **नींबू का जूस -** नींबू में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। यह पाचन के लिए सवीत्तम औषधि है। दो गिलास नींबू के जूस का नियमित सेवन कब्ज से जल्दी छुटकारा दिलाता है। **सेब का जूस -** सेब में पाया जाने वाला सोर्बिटोल पाचन तंत्र को रेगुलेट करने में मदद करता है। यह कब्ज के लिए बेहद लाभकारी जूस है। इसमें पर्याप्त मात्रा में आयरन भी पाया जाता है। **संतरे का जूस -** संतरा विटामिन सी और फाइबर का समृद्ध स्रोत है। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त करने में मदद करती है। कब्ज से निपटने में संतरा बहुत फायदेमंद है।

खीरे का जूस - खीरे में काफी मात्रा में पानी होता है, जो हमारी आंतों के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। यह पेट को हल्का रखता है तथा कब्ज से काफी राहत दिलाता है।

महज मेवा नहीं समझें अखरोट को, यह पहुँचाता है कई फायदे

जाजाहिंदी, कवासिंग, अकोड, अक्षोट और चारमगज विभिनन्भाषाओं में अखरोट के ही नाम हैं। यूग्लांदासी परिवार वेन सदस्य अखरोट का वानस्पतिक नाम यूग्लांस रेजिआ

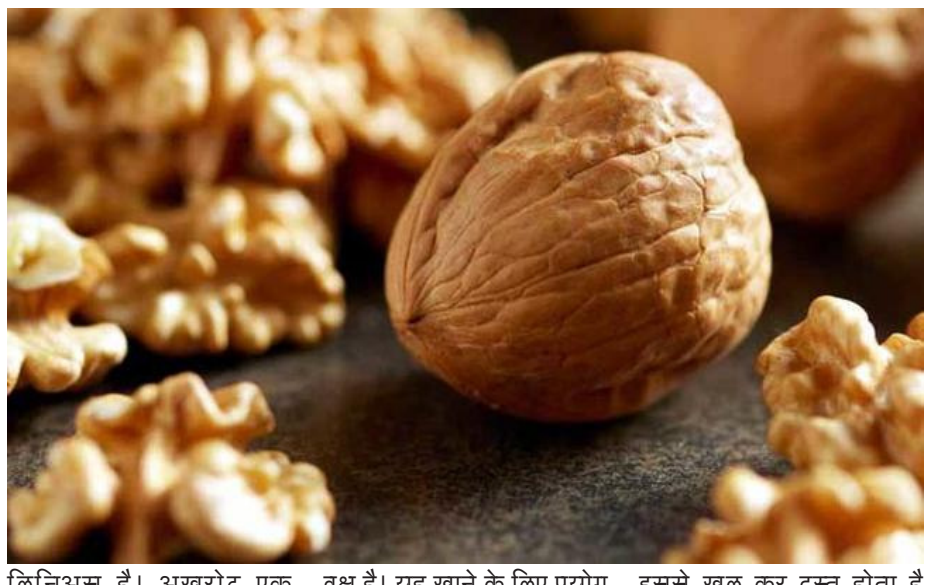

लिनिअस है। अखरोट एक पर्णपाती वृक्ष है जिसकी ऊंचाई लगभग 30-35 मीटर तक हो जाती है। इसके पत्ते 15 से 35 सेटीमीटर लंबे होते हैं। इसका फल कठोर, गुठलीदार होता है। ये दो प्रकार के होते हैं कागजी और कठोर। इसमें से कागजी अखरोट आसानी से टूट जाता है। इसमें सितम्बर-अक्टूबर में फल लगाते हैं। रोपने के बाद इसके फल प्राप्त करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है इसमें 8-10 साल का समय लग जाता है।

हमारे देश में अखरोट की सबसे ज्यादा पैदावार कश्मीर में होती है। यहां पैदा होने वाले अखरोट की किस्म भी सबसे अच्छी होती है। कश्मीर के अलावा हिमाचल प्रदेश, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी अखरोट उगाया जाता है।

अखरोट एक बहुउपयोगी वृक्ष है। यह खाने के लिए प्रयोग तो होता ही है। इसकी लकड़ी भी बहुत उपयोगी होती है। इसके लगभग सभी अंग औषधि के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, अखरोट के पत्ते स्तंभक बल देने वाले तथा कृमिनाशक होते हैं। इसका हरा छिलका सिफलिसरोधी तथा कफनिस्सारक होता है। इसका तेल मृदु विरेचक तथा उदर कृमिनाशक होता है। इसके अतिरिक्त अखरोट रस में मधुर, पुष्टिकारक, पित्तश्लेष्मा की वृद्धि करने वाला, बलवर्धक, ऊष्णवीर्य, सारक, शुक्रजनक, रूचिकारक, हृदय के लिए हितकर तथा क्षयरोग, रक्त विकार एवं दाह को शांत करने वाला होता है। इसकी गिरी बुद्धिवर्धक होती है।

कब्ज दूर करने के लिए अखरोट का तेल 20-40 मिलीलीटर दूध के साथ नियमित रूप से लेना चाहिए। इससे खुल कर दस्त होता है और कब्ज की परेशानी दूर होती है।

गले के घावों को दूर करने के लिए कच्चे अखरोट के सिरके या काढ़े से गरारे करने चाहिएं। नासूरों के इलाज के लिए अखरोट की गिरी को मोम या मीठे तेल में पकाकर नासूरों पर लगाना चाहिए। प्रमेह तथा मूत्र संस्थान के रोगों के लिए भी अखरोट बहुत लाभकारी है। इसके लिए 50 ग्राम अखरोट की गिरी में 40 ग्राम छुहारा तथा 10 ग्राम बिजौले की मींग मिलाकर घी में कूट लें और मिश्री मिलाएं। इस मिश्रण की 25 ग्राम मात्रा का नियमित सेवन करने से बहुत फायदा होता है।

शरीर को शक्ति तथा स्फूर्ति देने के लिए भी अखरोट का प्रयोग किया जाता है इसके लिए अखरोट की गिरी में बराबर मात्रा में मुनक्का मिलाकर सेवन करना चाहिए। यदि चेहरा लकवा प्रभावित हो तो प्रभावित भाग पर अखरोट का लेप करके दशमूल या निर्गुडी के काढ़े की भाप लेने से लाभ होता है। स्तनपान कराने वाली माताओं या उन माताओं को जिन्हें दूध नहीं उतरता, को गेहूं के आटे में अखरोट के पत्तों का चूर्ण मिलाकर दूध में गूंथ कर, गाय के घी में पूड़ियां तलकर खानी चाहिए। इससे दूध की मात्रा बढ़ जाती है।

कुत्ते द्वारा काटे जाने पर, विष के प्रभाव को दूर करने के लिए 10 मिलीलीटर अखरोट के तेल को 50 मिलीलीटर गरम पानी में मिलाकर 6-6 घंटे के बाद रोगी को पिलाना चाहिए। मस्तिष्क की कमजोरी दूर करने के लिए भी अखरोट को गुणकारी माना जाता है। इसके लिए प्रतिदिन 25 ग्राम अखरोट की गिरी का सेवन करना चाहिए। लेकिन चूंकि यह पचने में भारी होता है इसलिए इसका सेवन केवल सर्दियों में किया जाना चाहिए।

दर्द या पीड़ा दूर करने के लिए प्रभावित स्थान पर अखरोट के कच्चे फल की ताजा गिरी का लेप करके गरम ईंट या बालू से सिकाई करने पर पीड़ा दूर हो जाती है। पेट दर्द तथा पेचिश में विशेष रूप से अखरोट का सेवन किया जाता है। इसका तेल उदस्थ कृमियों को भी नष्ट कर देता है।

कई बीमारियों का रामबाण इलाज है 'अमृत बेल' गिलोय

आयुर्वेद में हर तरह के रोग के लिए औषधियां मौजूद हैं। प्राकृतिक वनस्पतियों तथा जड़ी-बूटियों के इस्तेमाल से असाध्य से असाध्य रोगों का इलाज आयुर्वेद में मौजूद है। इसी तरह की एक वनस्पति है गिलोय। यह बेल के रूप में पाई जाती है तथा इसके पत्ते पान के पत्तों की तरह होते हैं। आयुर्वेद में इसे अमृत बेल के नाम से जाना जाता है। इसका सेवन करने से किसी भी प्रकार की बीमारी आपके आस-पास नहीं आ सकती है। डेंगू और कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों का इलाज भी गिलोय से संभव है। आज हम गिलोय से मिलने वाले फायदों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं । 1. गिलोय एंटी-ऑक्सीडेंट्स का पावरहाउस कहा जाता है। यह कई तरह की बीमारियों से बचाने के अलावा आपकी कोशिकाओं को भी सेहतमंद रखता है। गिलोय प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत रखने का काम करता है, जिससे हमें बीमारियां फैलाने वाले संक्रमणों से सुरक्षा मिलती है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, रक्त को शुद्ध करता है तथा तमाम तरह के बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है। दिल संबंधी समस्याओं से निजात दिलाने तथा प्रजनन क्षमता बढ़ाने में भी यह अपना अहम योगदान देता है। 2. गिलोय पाचन क्षमता को दुरुस्त करने तथा आंत संबंधी समस्याओं से निजात दिलाने में भी काफी मदद करता है। आधा ग्राम गिलोय पाउडर को गुड़ के साथ खाने से कब्ज से राहत मिलती है। 3. गिलोय डायबिटीज के लिए भी बेहद फायदेमंद है। खासकर टाइप 2 डायबिटीज में यह चमत्कारिक लाभ देने वाला होता है। गिलोय का जूस पीने से हाई ब्लड शुगर को कम करने में सहायता मिलती है। 4. गिलोय का प्रयोग डिप्रेशन और चिंता को दूर करने में भी किया जाता है। यह याद्दाश्त बढ़ाने के साथ-साथ दिमाग को शांत रखने तथा विषाक्त पदार्थों के उन्मूलन में काम आती है। 5. आंखों के लिए गिलोय का इस्तेमाल काफी लाभदायक है। दृष्टि स्पष्टता को बढ़ाने के लिए गिलोय का प्रयोग भारत के कई हिस्सों में एक अहम औषधि के रूप में किया जाता है। गिलोय पाउडर को पानी के साथ उबालकर ठंडा हो जाने के बाद पलकों पर लगाने से काफी लाभ होता है।

अग्निशमन सेवा दिवस का आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

अनपरा/सोनभद्र।हिंडालको रेनूसागर पावर डिवीजन रेनूसागर स्थित फायर विभाग कार्यालय पर अग्निशमन सेवा दिवस का आयोजन किया गया सर्वप्रथम फायर विभाग प्रमुख के सी ब्यूरा द्वारा उपस्थित सभी को अग्निशमन से संबंधित शपथ दिलाई गई, तत्पश्चात बरिष्ठ अधिकारियो द्वारा 14 अप्रैल,1944 को सहीद हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ततपश्चात अग्निशमन दिवस पर अधिकारियों ने एक-दूसरे को फायर सेफ्टी बैज लगाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रेनूसागर पर डिवीजन के अध्यक्ष ऊर्जा के पी यादव ने कहा कि फायरमैन जनता की सुरक्षा के लिए कृत संकल्पित है, उन्होंने कहा कि जब कभी कहीं पर आग लग जाती है तो फायर कर्मी घटनास्थल पर अटूट साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए फायर पर काबू पाने के लिए भरपूर कोशिश करते हैं तभी धधकती आग पर काबू कर पाते है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से अग्नि से बचाव हेतु एक दूसरे को जागरूक करने हेतु प्रेरित किया तथा कहा कि सभी लोग अपने कार्यस्थल पर साफ सफाई ,फायर के दौरान उपयोग किये जाने वाले उपकरणों की जांच, नियमित रूप से फायर टेंडर मशीनों की जांच रखरखाव करना चाहिये । मुख्य अतिथि ने कहा कि आज के दिन 14 अप्रैल को पुरे देश में राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस मनाया जाता है यह उन 66 फायर कर्मियों को श्रद्धांजलि समर्पित है जिन्होंने अपने कर्तव्य पालन में तेज उठती लपटों के बीच अपने प्राणों की आहुति दे दी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मानव संसाधन प्रमुख शैलेश विक्रम सिंह ने कहा कि फायर सर्विस कर्मी हर दिन आग से खेलने का काम करते हैं इस खतरनाक काम को अंजाम देते हुए उन्हें अपनी जान की फिक्र भी नहीं होती है फिक्र होती है तो सिर्फ उस जलते मंजर या उसमें दूसरे कि जिंदगियों को बचाने की, ये फायर कर्मी अपनी जान कि परवाह न करते हुए जनता की रक्षा के लिए कृत संकल्पित रहते है। इसी क्रम में मैंटीनैंस हेड संजय सिंह व् ऑप्रेशन हेड गुलसन तिवारी ने भी फायर डे पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का बखूबी सचालन करते हुए सिक्योरिटी विभाग के प्रमुख कर्नल जयदीप मिश्रा ने सभी अधिकारियो का स्वागत व् आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गर्मी का समय आ गया है इस समय आग लगने कि ज्यादा संभावना रहती है, उपस्थित सभी अधिकारियो से सावधानी बरतने कि अपील किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुदीप्त नायक, अरविन्द सिंह ,संदीप यावले , संजय श्रीमाली , समीर आनंद, सतनाम सिंह , मुकेश श्रीवास्त्व सहित सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फ्लैग पिन लगाते अग्नि शमन विभाग के अधिकारी....

5 कालिदास मार्ग मुख्यमंत्री आवास पर डीजी फायर ने सीएम योगी को लगाया फ्लैग पिन!!

आईएएस दुर्गा शंकर मिश्र मुख्य सचिव को अग्निशमनसेवाशहीद स्मृति दिवस पर अग्निशमन विभाग के डीजी अविनाश चंद्र ने फ्लैग पिन लगाया

आधुनिक समाचार सेवा

लखनऊ। अग्निशमन विभाग किसी भी आपदा के लिए फर्स्ट रिस्पांडर होता है। अभी तहसील स्तर पर फायर स्टेशन हैं। लगातार बढ़ते अग्निकाडों के मद्देनजर जल्द ही प्रदेश में ब्लाक स्तर पर फायर स्टेशन खोले जाएंगे। इसकी तैयारी चल रही है। शुक्रवार को यह जानकारी हजरतगंज फायर स्टेशन में डीजी अविनाश चंद्र ने अग्निशमन दिवस के मौके पर दी। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर, सीएफओ मंगेश कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहें।उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही के कारण अग्निकांड की घटनाएं होती हैं। इस लिए हमेशा सचेत रहें। अग्निसुरक्षा के मद्देनजर घरों, अपार्टमेंट और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में समय समय पर फायर आडिट अवश्य कराते रहें। अग्निकांड सबसे अधिक शार्ट सर्किट के कारण होते हैं। अगर वायरिंग ठीक होगी तार कटे नहीं होंगे तो घटनाएं कम होंगी। स्मोट अलार्म सिस्टम अवश्य लगवाएं। अग्निकांड की सबसे अधिक घटनाएं मार्च से 30 जून तक होती हैं। इसमें सबसे अधिक अग्निकांड ग्रामीण इलाकों में होते हैं।दिसंबर और जनवरी के बीच ठंड में अग्निकांड होते हैं। अग्निकांड होने पर तत्काल पानी डालकर बुझाने की कोशिश करें। सामान निकालने के चक्कर में न पड़ें सबसे पहले खुद को और घरवालों को सुरक्षित निकालें। इसके बाद डीजी समेत अन्य अधिकारियों ने परिसर में बनी स्मृतिका पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी दो मिनट का मौन रखा गया। अंत में डीजी अग्निशमन अविनाश चंद्र ने अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह की शुरूआत की जो 20 अप्रैल तक चलेगा।अग्नि सुरक्षा जीवन रक्षा का संदेश देते हुए हरी झंडी देकर सजी-धजी दमकल की गाड़ियों की जन जागरूकता रैली रवाना की। एफएसओ हजरतगंज अशोक कुमार रावत, गोमतीनगर शिवदरस प्रसाद समेत आठों फायर अफसरों और कर्मचारी अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर सार्वजिनक स्थलों, स्कूलों, आरडब्ल्यूए, सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम करने के निर्देश दिए। वहीं, प्रदेश भर के फायर अफसरों को भी गाइडलाइन जारी की।डीजी फायर अविनाश चंद्र ने बताया कि 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर फोर्ट स्टीफेन नामक मालवाहक जहाज में आग लग गई थी। में जहाज विस्फोटक पदार्थ एवं युद्ध उपकरण से भरे हुए थे। आग बुझाने के दौरान विस्फोट जहाज दो टुकड़ों हो गया। इसके बाद ताबड़तोड़ विस्फोट हुए। कई बस्तियां जल गईं। ढाई हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई। आग बस्तियों में पहुंच गई थी। आग को काबू करने के प्रयास में 66 अग्निशमन शहीद हो गए। इन शहीदों की स्मृति में 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है।इंदिरानगर फायर स्टेशन में तैनात रहे एफएसओ शेषनाथ यादव ने कई बड़े अग्निकांडों में अदम्य साहस और शौर्य का परिचय देते हुए फंसे लोगों सुरक्षित निकाला था। गृह मंत्रालय और महानिदेशालय द्वारा अग्निशमन सेवा के लिए ब्रांच डिस्क एंड कमंडेशन सर्टिफिकेट दिया गया है। वर्तमान में शेषनाथ यादव गाजियाबाद में फायर स्टेशन अफसर हैं।

अग्निशमन शहीदों को दी श्रद्धांजलि

आधुनिक समाचार सेवा

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 14 अप्रैल 1944 में मुंबई के एक जहाज में सेना के विस्फोटक सामग्री में लगी आग को बुझाने में शहीद 66 कर्मचारियों को श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही, अग्निशमन सप्ताह का शुभारंभ भी हो गया। सप्ताह के अंतर्गत नागरिकों को अग्नि से बचाव तथा सावधानी बरतने के संबंध में जागृत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसका उद्देश्य अग्निकांडों से होने वाली क्षति के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होता है। इस अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी कृष्णकांत ओझा, प्रभारी अग्निशमन अधिकारी राजेंद्र कुमार मौजूद रहे।

सम्पादकीय

धर्मस्थलों को सुरक्षित बनाएं

मंदिरों पर भारी संख्या में लोगों का जुटना कोई नया नही है। त्योहारों और उत्सवों पर ऐसा होना स्वाभाविक है। लेकिन इंदौर के महादेव झूलेलाल मंदिर की घटना ने साबित कर दिया है कि धार्मिक स्थलों पर सुरक्षित बनाए जाने की जरूरत है। इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में रामनवमी के दिन हुआ हादसा जितना त्रासद और दुर्भाग्यपूर्ण है, उतना ही विचारणीय भी। रामनवमी के मौके पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगना कोई अप्रत्याशित बात नहीं थी। जाहिर है भीड़ को संभालने के लिए जिस तरह की चाक-चौबंद और चौकस व्यवस्था होनी चाहिए थी, उसका वैसे ही अभाव था जैसे आम तौर पर मंदिरों में होता है। मिली जानकारी के मुताबिक, मंदिर के अंदर बावड़ी को ढकने वाले स्लैब पर भी काफी लोग इकट्ठा हो गए थे। कोई उन्हें रोकने वाला या यह बताने वाला नहीं था कि यह स्लैब कमजोर है और ज्यादा लोगों का बोझ नहीं वहन कर सकता। वही हुआ भी। अचानक स्लैब धंस गया और उस पर खड़े तमाम लोग नीचे कुएं में गिर गए। मामले की जांच के आदेश तत्काल दे दिए गए। मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजा राशि घोषित करने में भी सरकार ने देर नहीं लगाई। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों हमें बार-बार विभिन्न धार्मिक स्थलों से ऐसे हादसों की खबरें सुनने को मिलती हैं? कभी किसी मंदिर की छत गिर जाती है तो कभी रेलिंग का हिस्सा टूटकर गिर जाता है। क्यों इन मंदिरों और अन्य धर्मस्थानों की मरम्मत और रखरखाव की व्यवस्था पर नजर नहीं रखी जाती? कानून के अनुरूप, उनकी जिम्मेदारी क्यों नहीं तय हो पाती?

ताजा हादसे का भी यह एक अहम पक्ष है। मंदिर के अंदर स्थित बावड़ी को इस तरह ढका जाना गैरकानूनी तो था ही, स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी भी थी। इस बारे में नोटिस भी दिया गया था। खबरों के मुताबिक जनवरी के आखिरी हफ्ते में इंदौर नगर निगम ने मंदिर के ट्रस्ट को अल्टीमेटम दे दिया था कि अगर एक सप्ताह के अंदर इस स्लैब को नहीं हटाया गया तो जबरन हटा दिया जाएगा और उसका खर्च मंदिर प्रबंधन से लिया जाएगा। नगर निगम का यह रुख बिलकुल सही था। लेकिन इसके बाद हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगने लगे। कहा जाने लगा कि नगर निगम प्रशासन मंदिर के अंदरूनी मामलों में बेवजह दखल दे रहा है। ऐसा लगता है कि कथित तौर पर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं का वास्ता दिए जाने के बाद नगर निगम दबाव में आ गया। संभवतः इसीलिए जो काम एक सप्ताह की समय सीमा समाप्त होते ही शुरू हो जाना चाहिए था, उस दिशा में दो महीने बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई। नतीजा यह कि रामनवमी के मौके पर श्रद्धालुओं को अपनी जान देकर इस लापरवाही की कीमत चुकानी पड़ी। आखिर कथित धार्मिक भावनाओं के नाम पर हमारी कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियां अक्सर लाचार क्यों दिखने लगती हैं? यह स्थिति बेहद खतरनाक है। एक बात यह भी है कि राज्य सरकारें अपने यहां के धर्मस्थलों का सुरक्षा ऑडिट क्यों नहीं करातीं ताकि ऐसे हादसे रोके जा सकें।

भारत में बढ़ते सड़क हादसों की समस्या का समाधान तत्काल निकालना होगा

रमेश सर्राफ धमोरा

आज कोई भी दिन ऐसा नहीं गुजरता है जिस दिन देश के किसी ना किसी भाग में सड़क हादसा न हुआ हो। जिसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़े। विकास की प्रतीक मानी जाने वाली सड़कें विनाश का पर्याय बनती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया भर में सड़क हादसों में मारे गए 10 लोगों में से कम से कम एक भारत से होता है। भारत में सड़क हादसों के आंकड़े बताते हैं कि देश में वर्ष 2021 में सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। यह आंकड़ा औसतन 426 लोग प्रतिदिन या हर घंटे 18 लोगों का है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल देश भर में 4.03 लाख सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के अलावा 3.71 लाख लोग घायल भी हुए थे।

देश में दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक रोड एक्सीडेंट के मामले 2020 में 3,64,796 से बढ़कर 2021 में 4,03,116 हो गए। मौतों में 16.8ङ बढ़ोतरी हुई है। 2020 में 1,33,201 और 2021 में 1,55,622 लोगों ने सड़क हादसे में अपनी जान गंवाई है। साथ ही 2021 में प्रति हजार वाहनों की मौत दर 2020 में 0.45 से बढ़कर 2021 में 0.53 हो गई है। विश्लेषण से पता चलता है कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं तेज गति के कारण हुई हैं।

देश में मोटर व्हीकल एक्ट में किया गया संशोधन 1 सितंबर 2019 से लागू हुआ था। इसका मकसद देश में सड़क पर यातायात को सुरक्षित बनाना और सड़क हादसों में लोगों की मौत की संख्या को कम करना था। भारत में होने वाले सड़क हादसे में करीब 26 फीसदी खतरनाक या लापरवाह ड्राइविंग या ओवरटेकिंग की वजह से होते हैं। कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाया गया था। उससे सड़क हादसों में लगभग बीस हजार लोगों की जान जाने से बचायी गईं। अप्रैल से लेकर जून 2020 तक सड़क हादसों में 20 हजार 732 लोगों की मौत हुई। जबकि 2019 में अप्रैल से जून के बीच 41 हजार 32 लोगों की सड़क हादसों में जान चली गई थी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत का राजमार्ग ढांचा 2024 तक अमेरिका के बराबर हो जाएगा। जिसके लिए समयबद्ध मिशन मोड में काम चल रहा है और ग्रीन एक्सप्रेसवे और रेल ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतमाला 2 के लिए जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी मिलने की संभावना है और एक बार इसके बाद यह देश में एक मजबूत बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। गडकरी ने कहा कि मुझे विश्वास है

कि भारत के राजमार्ग 2024 तक अमेरिका के बराबर हो जाएंगे। भारत की लंबाई और चौड़ाई में हरित एक्सप्रेसवे के नेटवर्क सहित एक मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए समयबद्ध मिशन मोड में काम चल रहा है। गडकरी ने उम्मीद जतायी कि 2025 तक सड़क दुर्घटनाएं और इसके कारण होने वाली मौतें 50 प्रतिशत तक कम हो जाएंगी। गडकरी का कहना है कि जानलेवा सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिये राज्यों को केन्द्रीय सड़क कोष के एक हिस्से का इस्तेमाल करना चाहिये और दुर्घटनावाली जगहों को दुरुस्त करना चाहिये। उन्होंने कहा कि हम न सिर्फ राष्ट्रीय राजमार्गों पर बल्कि राज्य राज मार्गों पर भी हादसों की संख्या कम करने की कोशिश कर रहे हैं। जिलों में सड़क सुरक्षा समितियां गठित की जानी चाहिये। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ सांसदों को करनी चाहिये और जिलाधिकारियों को इनका सचिव बनाया जाना चाहिये। यह समिति जिला स्तर पर दुर्घटना के सभी पहलुओं को देखे।

सरकार सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को कम करने के लिए तेजी से काम कर रही है। इसके लिए नीतिगत सुधारों और सुरक्षित प्रणालियों को अपनाया जा रहा है। 2030 तक भारतीय सड़कों पर जीरो एक्सीडेंट की दृष्टिगत करने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। गडकरी के अनुसार सरकार सड़क पर दुर्घटना संभावित क्षेत्र की पहचान करने और इसके समाधान के लिए 14 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। सड़कों पर बने मोड़ों जैसे टी जंक्शन और टी वाई पर सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं। देश भर में हुए कुल हादसों में से 37 फीसदी हादसे उन्हीं चौराहों और मोड़ों पर होते हैं। उनमें से तकरीबन 60 फीसदी हादसे टी और टी वाई जंक्शन पर रिकॉर्ड किए गए। इनकी सबसे बड़ी वजह ड्राइवरों की गलती रहती है। स्पीड सीमा को पार करना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, ओवरटेकिंग और मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चलाना कुछ ऐसी गलतियां हैं। जिनसे बड़ी संख्या में सड़क हादसे हो रहे हैं। कुल सड़क हादसों में से 84 फीसदी हादसों के पीछे ड्राइवरों की गलती होती है।

शहरों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पूरी तरह से नगरीय बस सेवाओं के भरोसे है। जिनमें ज्यादातर बसें पुरानी हो चुकी हैं। कई अध्ययनों में ये बात सामने आई है कि शहरों की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए हमें इस समय सड़कों पर चल रही बसों के मुकाबले कई गुना अधिक बसों की जरूरत है। सड़क हादसों के कारण अक्सर परिवारों की आमदनी के स्रोत को नुकसान होता है व उनकी रोजी रोजगार छिन जाता है। संबंधित परिवार को आर्थिक दिक्कतें होती हैं। जो लोग सड़क दुर्घटनाओं में बच भी जाते हैं उनके इलाज में भारी रकम खर्च करनी पड़ती है। हालांकि 2019 का मोटर व्हीकल एक्ट सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों को बीमा के जरिए आर्थिक मदद उपलब्ध कराता है। लेकिन इस कानून से सड़क हादसों के शिकार लोगों को होने वाली मानसिक क्षति की भरपाई नहीं होती।

इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के मुताबिक भारत में सड़क हादसों में सालाना करीब 20 अरब डॉलर का नुकसान होता है। देश की सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। इस पर नियंत्रण के उचित कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही वाहनों की सुरक्षा के मानकों की समय-समय पर जांच होनी चाहिए। स्कूलों में सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता अभियान चलाए जाए। भारी वाहन और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को परमिट दिए जाने की प्रक्रिया में कड़ाई बरती जाए। ड्राइविंग लाइसेंस के लिए योग्यता भी तय की जाए। साथ ही छोटे बच्चे और किशोरों के वाहन चलाने पर कड़ाई से रोक लगे। तेज रफ्तार, सुरक्षा बेल्ट का प्रयोग न करने वालों और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। तभी देश में सडकों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लग पायेगी।

'हिंद की चादर' गुरु तेग बहादुर को जान से प्यारा था धर्म, ऐसे दी थी औरंगजेब को शिकस्त

अनन्या मिश्रा

गुरु तेग़ बहादुर जी सिक्खों के नौवें गुरु के रूप में जाने जाते हैं। उन्हें प्रेम से 'हिंद की चादर' भी कहा जाता है। गुरु तेग बहादुर जी की बहुत सी रचनाएं ग्रंथ साहब के महला 9 में संग्रहित हैं। उन्होंने कई रचनाएं की थीं। बता दें कि गुरु तेग बहादुर सिंह 20 मार्च साल 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे। जिसके बाद वह 24 नवंबर 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे। आज के दिन यानी कि 1 अप्रैल को गुरु तेग बहादुर का जन्म हुआ था। आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर उनसे जुड़ी कुछ खास बातें...

गुरु तेग़ बहादुर जी सिक्खों के नौवें गुरु थे। गुरु तेग बहादुर जी को प्रेम से कहा जाता है- 'हिन्द की चादर' भी कहा जाता है। उनकी बहुत सी रचनाएँ ग्रंथ साहब के महला 9 में संग्रहित हैं। उन्होंने शुद्ध हिन्दी में सरल और भावयुक्त 'पदों' और 'साखी' की रचनायें की। तेग़ बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे। तेग़ बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

जन्म और शिक्षाः पंजाब के अमृतसर में 1 अप्रैल 1621 को गुरु तेग़ बहादुर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम गुरु हरगोविंद सिंह और माता का नाम नानकी देवी था। गुरु तेग़ बहादुर अपने माता-पिता की 5वीं संतान थे। उनके बचपन का नाम त्यागमल था। वहीं उनकी शुरूआती शिक्षा मीरी-पीरी के मालिक गुरु-पिता गुरु हरिगोबिंद साहिब ने पूरी करवाई। गुरु तेज बहादुर ने गुरुबाणी, धर्मग्रंथों के साथ-साथ शस्त्रों तथा घुड़सवारी आदि की शिक्षा ली। बता दें कि सिखों के 8वें गुरु गुरु हरिकृष्ण राय जी की अकाल मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद गुरु तेग बहादुर को अगला गुरु बनाया गया। वहीं महज 14 साल की उम्र में उन्होंने वीरता का परिचय दिया था। उनकी वीरता से प्रभावित होकर पिता ने उनका नाम तेग बहादुर रख दिया।

धर्म का प्रचार-प्रसारः धर्म के प्रचार-प्रसार व लोक कल्याणकारी कार्य के लिए गुरु तेग बहादुर ने कई स्थानों का भ्रमण किया। वह आनंदपुर से कीरतपुर, रोपड, सैफाबाद के लोगों को संयम तथा सहज मार्ग का पाठ पढ़ाते हुए खिआला पहुंचे। यहां से वह लोगों

को सत्य के मार्ग पर चलने का उपदेश देते हुए कुरुक्षेत्र पहुंचे। कुरुक्षेत्र से कड़ामानकपुर पहुंचने पर गुरु तेग बहादुर ने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। इसके बाद वह पटना, असम, बनारस और प्रयागराज भी गए। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक के लिए कई रचनात्मह और सराहनीय कार्य किए।

मुगलों से किया विद्रोहःतेग बहादुर के समय में मुगल शासक औरंगजेब था। वहीं देश में शासक के तौर पर औरंगजेब की छवि कट्टर बादशाह के रूप में थी। जब औरंगजेब के शासनकाल में जबरन हिंदूओं का धर्म परिवर्तन किया जा रहा था तो इसके सबसे ज्यादा शिकार और अत्याचार कश्मीरी पंडितों पर किया गया। वहीं औरंगजेब के अत्याचारों से तंग आकर कश्मीरी पंडितों का एक दल मदद के लिए गुरु तेग बहादुर के पहुंचा था। तब गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को रक्षा का आश्वासन दिया था। गुरु तेग बहादुर ने हिन्दुओं को बलपूर्वक मुस्लिम बनाने का खुले स्वर में विरोध किया और इसका इसे रोकने का जिम्मा उन्होंने अपने सिर पर लिया। गुरु तेग बहादुर के इस फैसले ने औरंगजेब में गुस्सा भर दिया। जब साल 1675 में गुरु तेग बहादुर अपने पांच सिक्खों के साथ आनंदपुर से दिल्ली के लिए जा रहे थे तो औरंगजेब ने उन्हें रास्ते में पकड़ लिया और उनको कैद में डाल दिया। इस दौरान औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर के साथ अत्याचार की सारी सीमाएं लांघ डाली। गुरु तेग बहादुर ने औरंगजेब के सामने एक शर्त थी कि यदि उन्होंने इस्लाम कुबूल कर लिया तो कश्मीरी पंडित भी इस्लाम कुबूल कर लेंगे। लेकिन अगर मुगल शासक औरंगजेब उन्हें इस्लाम कुबूल नहीं करवा पाया तो वह कभी भी किसी पर इस्लाम अपनाने के लिए अत्याचार नहीं करेगा। इस शर्त को औरंगजेब ने स्वीकार कर लिया था। जब औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर को पकड़वा लिया तो उन्हें तरह-तरह के लालच दिए। जब बात नहीं बनी तो उसने गुरु तेग बहादुर पर अत्याचार करना शुरू कर दिया। लेकिन गुरु तेग बहादुर इस्लाम कुबूल करने के लिए तैयार नहीं हुए।

बलिदानः एक समय बाद जब औरंगजेब गुरु तेग बहादुर पर अत्याचार कर-कर के थक गया तो उसने उनके दो शिष्यों को मारकर उन्हें डराने की कोशिश की। लेकिन इसके बाद भी गुरु तेग बहादुर अपनी बात पर अड़े रहे। इस तरह से औरंगजेब को भी गुरु तेग बहादुर के सामने अपनी हार स्वीकार करनी पड़ी। औरंगजेब ने 24 नवंबर 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक पर गुरु तेग़ बहादुर जी का शीश काटने का आदेश दे दिया। वर्तमान में गुरु तेग बहादुर की शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा शीशगंज साहिब स्थित है।

अदालतों के समक्ष शक्ति प्रदर्शन कर कांग्रेस ने गलत परम्परा की शुरुआत कर दी है

नीरज कुमार दुबे

राहुल गांधी ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी जिसका उन्हें अधिकार है। लेकिन अपने इस अधिकार का इस्तेमाल करते समय राहुल गांधी ने जो शक्ति प्रदर्शन किया क्या वैसा अधिकार आम आदमी को कभी मिलता है? क्या कभी आपने आम आदमी को देखा है कि वह भीड़ को लेकर अदालत पहुँचा हो, क्या आम आदमी को आपने कभी देखा है कि वह अपने क्षेत्र के शक्तिशाली या प्रभावशाली लोगों को लेकर अदालत पहुँचा हो, आम आदमी छोड़िये, इस देश में प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए नरसिंह राव अदालत में पेश हुए, तमाम मुख्यमंत्री और मंत्री अदालत में और विभिन्न जाँच आयोगों के समक्ष पेश हो चुके हैं और होते रहते हैं लेकिन क्या कभी किसी ने अदालतों के समक्ष शक्ति प्रदर्शन किया? ऐसे में यह सवाल तो उठेगा ही कि क्या गांधी परिवार पर देश का कानून लागू नहीं होता? वैसे भी कांग्रेस के एक बड़े नेता प्रमोद तिवारी गांधी परिवार के लिए अलग कानून का सुझाव दे ही चुके हैं। कांग्रेस के एक और नेता इंदिरा गांधी को राष्ट्रमाता और राहुल गांधी को राष्ट्रपुत्र करार दे चुके हैं। अब यदि गांधी परिवार खुद को राज परिवार समझता है तो फिर लोकतंत्र की बात उसके मुँह से अच्छी नहीं लगती लेकिन यदि गांधी परिवार खुद को राज परिवार नहीं समझता है तो फिर सवाल उठता है कि क्यों जब नेशनल हेराल्ड घोटाला मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी अदालत में पेश हुए थे तब कांग्रेस ने ड्रामा आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह समेत पार्टी के आला नेताओं का सड़कों पर मार्च कराया था। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ईडी ने जब पूछताछ के लिए बुलाया था तो कांग्रेसियों ने क्यों सड़कों पर जमकर हंगामा काटा था? राहुल गांधी सूरत की अदालत में पेश हुए तो अपनी बहन और वकीलों को लेकर गये यह तो समझ आता है लेकिन तीन मुख्यमंत्रियों को लेकर जाने की क्या जरूरत थी? इसके दो ही कारण हो सकते हैं- या तो राहुल गांधी डर रहे थे और कानून को अपनी ताकत का अहसास कराना चाहते थे क्योंकि उन्हें शायद लगा होगा कि पिछली बार जब वह अकेले सूरत कोर्ट गये तो उन्हें दो साल की सजा सुना दी गयी थी इसलिए वह इस बार पूरा दल बल लेकर पहुँचे थे। एक कारण यह भी हो सकता है कि यह सारे नेता खुद ही राहुल गांधी के साथ इसलिए सूरत गये क्योंकि उन्हें लगता है कि परिवार की भक्ति उनका कर्तव्य है।

जब चीन के सामान की ही कोई गारंटी नहीं होती तो उसकी गीदड़-भभकी से क्यों परेशान हों?

डॉ. रमेश ठाकुर

चीन ने अरुणाचल प्रदेश की विभिन्न जगहों का नाम बदलने का एक ऐसा शफूगा छोड़ा है जिसमें ना आवाज है और ना ही चिंगारियां? फिलहाल ऐसा पहली मर्तबा नहीं हुआ है। जब, उसने इन जगहों के नाम बदलने की कोशिश की हो, पूर्व में भी उसने ऐसी ओछी हरकत करके उकसाने का काम किया था। उसकी इस गीदड़ भभकी को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। पर, सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। दुश्मन चाहें, कमजोर हो या ताकतवर हल्के में नहीं लेना चाहिए। केंद्र की खुफिया एजेंसियों और अरुणाचल प्रदेश की लोकल इंटेलिजेंस को पैनी निगरानी उन क्षेत्रों पर रखनी होगी, जिनका नाम बदलने का जिक्र किया गया है। सैन्य पहरा भी जरूरी है। क्योंकि यही वो भाग है जिस पर दुश्मन की कई दशकों से नजर है और जिसे हम अपना अभिन्न अंग बतलाते हैं। चीन ने अपने सरकारी अखबार के जरिए जो ये विवादित बात कही है, उसके परिणाम दूरगामी भी हो सकते हैं। क्योंकि इस बार उनकी बकायदा मीटिंग में नाम तय किए गए हैं। जैसे विपक्ष सालों से आरोप लगाता आया है कि चीन अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में घुस गया है। आज से दो वर्ष पूर्व यानी दिसंबर-2021 में भी चीन ने अरुणाचल के विभिन्न जगहों के नाम बदलने का कोरा झूठ बोला था। तब हमारे विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि चाइना ऐसा करके हमें दिग्भ्रमित करना चाहता है। अपनी नापाक हरकतों से हमारी नजरें हटाना चाहता था। सोचने वाली बात है, हमसे हजारों किलोमीटर दूर पर बैठे लोग पहले से तय हमारे स्थानों के नाम बदलने की बात करते हैं। इसे उनके दिमाग का दिवालियापन ही कहा जाएगा। ऐसे तो हमारी सरकार भी दिल्ली में बैठकर शंघाई का नाम 'संघर्ष नगर' रख देगी, तो क्या उससे उसका नाम संघर्ष नगर हो जाएगा। नाम तो नहीं बदलेगा। पर, उपहास जरूर उड़ेगा, जैसा इस वक्त चीन का उड़ रहा है।

नाम-वाम बदलने का नया विवाद दरअसल है क्या? इसे आसान थ्योरी में अगर समझें तो इसे चीन की नापाक चाल ही कहेंगे। उसने एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर करीब हमारे 11 अधिकृत स्थानों को अपना नाम दिया है। इसके लिए बाकायदा बीते रविवार को चीनी कैबिनेट की 'स्टेट काउंसिल मीटिंग' आयोजित हुई जिसमें ये सभी प्रस्ताव पारित हुए। अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों को बिंदुवार तरीके से नए नाम रखे गए। क्योंकि इन नामों की पहले से उनके पास सटीक भोगौलिक जानकारियां हैं ही, जिन स्थानों के नाम बदलने की ये घोषणा हुई है उनमें दो रिहायशी इलाक़े हैं। पांच ऊँचे पर्वतों वाली चोटियां हैं। दो नदियां हैं और दो अन्य क्षेत्र हैं। दोनों नदियों का पानी दोनों ओर गिरता है। फिलहाल हमारे पास ये खबर अभी तक चीन सरकार के मुखपत्र 'ग्लोबल टाइम्स' के हवाले से आई है। अधिकृत तौर पर उनकी सरकार ने अभी कोई कोई सूचना नहीं दी है और ना ही ऐसे कोई प्रयास किए गए हैं। गौरतलब है कि चीन ने बकायदा उन स्थानों के अधीनस्थ प्रशासनिक जिलों की श्रेणी भी सूचीबद्ध की है। जबकि, ऐसी ही एक हिमाकत 2017 में भी की थी, जब उन्होंने अरुणाचल के छह स्थानों को अपना बताया था। भारत सरकार ने हमेशा इन हरकतों का बिना कोई जवाब दिए प्रतिवाद किया है और करना भी चाहिए। ऐसे विवादों पर केंद्र सरकार प्रत्यक्ष रूप से मुखर नहीं होती। उनको पता है ये उनका मात्र चिढ़ाने वाला तरीका है। जब, कोई लिखित में चिट्ठी या कब्जे की सीधी कोशिशें होंगी तो उसका प्रतिकूल और माकूल उत्तर दिया जाएगा। फिलहाल सरकार 'वेट एंड वॉच' की स्थिति में है। बैठक रविवार को हुई थी, दो-तीन दिन बीत जाने के बाद भी कोई सुगबुगाहट नहीं है, इसका मतलब ये है कि उन्होंने पहले की तरह सुरसुरी ही छोड़ी है जिसमें ना आवाज है और न तरंगें। अभी कुछ महीने पूर्व की ही बात है। जब, चीन के इसी सरकारी अखबार के हवाले से ये झूठी खबर प्रकाशित हुई कि उन्होंने गलवान घाटी के आसपास से अपनी फोर्स हटाने का निर्णय ले लिया है। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों से भी सेना हटाएंगे। दरअसल, ये उनका कोरा झूठ था, भारत सरकार को भ्रमित करने का ताकि इसके बाद भारत अपनी सेना हटाए और वह चुपके से रात के अंधेरे में धावा बोल दे। क्योंकि चीनी रात के अंधेरे में चोरी-चकारी और उल्टे सीधे कामों के माहिर होते हैं। देखिए ये बदला हुआ भारत है, अब यहां रात में भी चौकन्ने रहते हैं। हिंदुस्तान 1962 के मुकाबले 2023 में बहुत मजबूत खड़ा है। हुकूमत भी कठोर है जिसे चीन भलीभांति जानता और समझता भी है। वरना, अभी तक तो कोई ना कोई गड़बड़ी कर चुका होता? कुछ हरकतें कीं भी जिसका उन्हें उनकी ही भाषा में जवाब भी मिला।

चीन को लग रहा है कि उनके इस निर्णय पर भारत सरकार में खलबली मचेगी, लेकिन ऐसा हुआ बिल्कुल भी नहीं? क्योंकि केंद्र सरकार चीनी मसले पर कोई जल्दबाजी नहीं दिखाना चाहती। केंद्र सरकार अरुणाचल क्षेत्र पर आंच तक नहीं आने देना चाहती। 2017 में जब निर्वासित तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा हुई तब भी चीन ने हंगामा काटा था। चीन ने भारत सरकार पर खूब दबाव बनाया था ताकि भारत उनकी यात्रा रोक दें। यात्रा रोकने की बजाय भारत ने उलटे दलाई लामा की कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था में यात्रा को संपन्न कराया और उन्हें राजकीय अतिथि के रूप में प्रोटोकॉल भी दिया। इससे चीन और आग बबूला हो गया। अंदर ही अंदर मन मसोसकर रह गया। उसी दौरान उनके विदेश उप-मंत्री का भारत दौरा था, उसने खुन्नस में आकर वह निरस्त कर दिया। चीन किसी भी सूरत में समूचे एशिया में अपनी बादशाहत कायम रखना चाहता है। इसके लिए वो प्रत्येक हथकंडे अपना रहा है।

बहरहाल, केंद्र सरकार चीन की प्रत्येक चाल को कुचलती आई है। नापाक हरकत करने का जरा भी मौका नहीं दे रही है। यही वजह है कि चीन जो भी कुछ कर रहा है, शंघाई में ही बैठकर कर रहा है। उसे पता है, मैदान में आकर उसे मुंह की ही खानी पड़ेगी। चीन ने भारत के खिलाफ नेपाल और पाकिस्तान को भी उकसा कर देख लिया, उससे भी कोई फायदा नहीं हुआ। तालिबानियों से भी मदद मांग ली, उन्होंने भी खाली हाथ लौटा दिया। कुल मिलाकर वह चारों तरफ से अब अकेला पड़ गया है। नेपाल-पाकिस्तान के बस की तो कुछ है नहीं, जो सीधे तौर पर वो भारत को कोई नुकसान पहुंचा सके। नेपाल की सत्ता में चीन का बढ़ता कदम आने वाले समय में नेपालियों के लिए ही भारी पड़ने वाला है। चीन नेपाल के साथ मिलकर हमें परेशान करने की फिराक में था। वहां भी उनकी दाल नहीं गली। बहरहाल, भारत-चीन सीमा विवाद की एबीसीडी समझने की जरूरत है। 3500 किमी लंबी सीमा है जो तीन सेक्टरों में विभाजित है। अव्वल, पश्चिमी सेक्टर जो जम्मू-कश्मीर में 1597 क्षेत्रफल में फैला है। जहां, चीन का दखल नहीं हैं। दूसरा, मध्य सेक्टर है जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की साझा सीमाओं से सटा हुआ है जिसकी अधिकृत लंबाई 545 किमी है। यहां, भी उसकी ज्यादा कोई दखलंदाजी सीधे तौर पर नहीं है। तीसरा, क्षेत्र जो पूर्व क्षेत्र है वो अरुणाचल प्रदेश से सटा बारीक-सा हिस्सा सिक्किम से लगा है जिसकी लंबाई 1346 किमी है, जिसे वह कब्जाना चाहता है। जबकि, अक्साई क्षेत्र ऐसा है जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है, जो कभी हमारा हुआ भी करता था। जिसे चीन ने 1962 युद्ध के बाद कब्जा लिया था। तभी से ये भाग उसके कब्जे में है।

ट्रंप से कारोबारी गतिविधियों को लेकर दायर वाद के सिलसिले में सात घंटे तक किए गए सवाल-जवाब

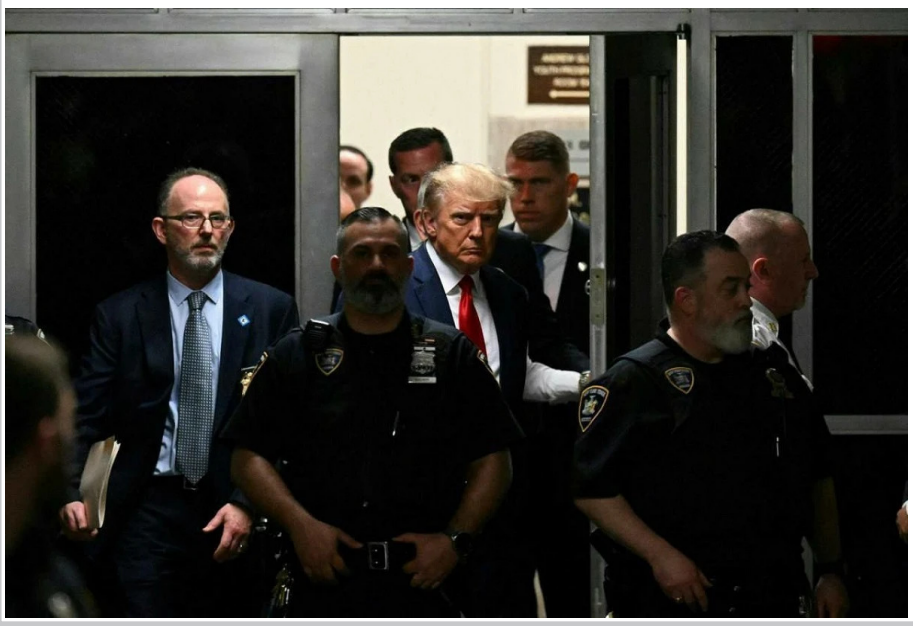

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी कंपनी के कारोबार से जुड़ी गतिविधियों को लेकर एक वाद के सिलसिले में बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क की अटार्नी जनरल के कार्यालय ने करीब सात घंटे तक सवाल-जवाब किए गए। ट्रंप ने कारोबारी गतिविधियों को लेकर दायर वाद के सिलसिले में दूसरी बार गवाही दी है। रिपब्लिकन नेता ने अटार्नी जनरल लेतीतिया जेम्स के वकीलों से मुलाकात की। जेम्स ने पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ पिछले साल वाद दायर किया था। अटार्नी जनरल के वाद में दावा किया कि ट्रंप और उनके परिवार ने अपनी निवल संपत्ति (नेटवर्थ) और होटल एवं गोल्फ कोर्स जैसी संपत्ति के मूल्य के बारे में झूठी सूचना देकर बैंकों को गुमराह किया। यह वाद मैनहट्टन जिला अटार्नी द्वारा ट्रंप के खिलाफ दायर आपराधिक आरोपों से अलग है।

ट्रंप के मैनहट्टन स्थित इमारत में प्रवेश करने के कुछ ही समय बाद उनकी वकील एलिना हब्बा ने कहा कि वह ''न केवल गवाही देना चाहते हैं बल्कि वह इसके लिए उत्सुक भी हैं।'' इसी इमारत में जेम्स के कार्यालय स्थित हैं। गवाही पूरी होने के बाद ट्रंप के व्यवसायों के वकील क्रिस्टोफर केसे ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने करीब सात घंटे '' अपनी व्यावसायिक सफलता के बारे में विस्तार से बताया।'' केसे ने कहा कि इस सफलता से जुड़े तथ्य जब सामने आएंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि कोई धोखाधड़ी नहीं हुई। वहीं जेम्स ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में गवाही के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का जवाब देने से इनकार कर दिया।

ट्रंप ने बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में वाद को ''अन्य मामलों की तरह चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश और हास्यास्पद'' बताया।इससे पहले के एक पोस्ट में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा था, ''वाद के बारे में एक अच्छी चीज यह है कि मैं यह दिखा सकूंगा कि मैंने कितनी बड़ी, लाभकारी और मूल्यवान कंपनी बनाई है।'' ट्रंप ने इससे पहले पिछले साल 10 अगस्त को जेम्स के वकीलों से मुलाकात की थी लेकिन कुछ प्रक्रियागत सवालों को छोड़ कर अन्य का जवाब देने से इनकार कर दिया था। जेम्स द्वारा दायर वाद की सुनवाई अक्टूबर में शुरू हो सकती है।

ट्यूनिस के पास नौका डूबी, यूरोप जा रहे 25 प्रवासियों की मौत

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया के तट से दूर भूमध्य सागर में यूरोप की ओर जा रही एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार कम से कम 25 प्रवासियों की मौत हो गई और 15 अन्य लोग लापता हैं। ट्यूनीशिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

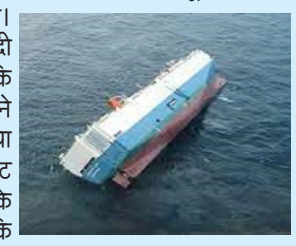

स्फैक्स के अभियोजक फाउजी मसौदी ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि ट्यूनीशियाई तट रक्षक बलों ने बृहस्पतिवार को पूर्व-मध्य ट्यूनीशिया में स्थित बंदरगाह एसफैक्स के तट के पास नाव के नीचे फंसे 15 लोगों के शव बरामद किए। उन्होंने बताया कि इससे पहले बुधवार को तटरक्षक बलों ने 10 शव बरामद किए थे और 72 प्रवासियों को बचाया था। अभियोजक ने कहा कि जीवित बचे लोगों से मिली जानकारी के आधार पर नाव में सवार 15 से 20 अन्य लोग अब भी लापता हैं। मसौदी ने बताया कि मृतकों और बचाए गए लोगों में से लगभग सभी लोग उप सहारा अफ्रीका के निवासी हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अहमदाबाद में स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे

अहमदाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। पदाधिकारी ने बताया कि 'समाजशक्ति संगम' कार्यक्रम में लगभग 15,000 स्वयंसेवक शामिल होंगे। यह कार्यक्रम 2025 में आरएसएस के शताब्दी समारोह से जुड़े कार्यक्रमों की शृंखला के तहत आयोजित किया जा रहा है। पदाधिकारी के मुताबिक, 'समाजशक्ति संगम' का आयोजन अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में किया जा रहा है, जहां आरएसएस के सरसंघचालक भागवत शाम को स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। आरएसएस की कर्णावती (अहमदाबाद) इकाई ने इस आयोजन के लिए भेजे गए अपने आमंत्रण में कहा है, 'एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भारत हम सभी का सपना है। इस सपने को साकार करने के लिए एक अनुशासित संगठित समाज का निर्माण जरूरी है, जिसके लिए आरएसएस लगातार काम कर रहा है। साथ ही राष्ट्र के कार्य की सफलता के लिए 'सज्जन शक्ति' का प्रेरक सहयोग अति आवश्यक है।

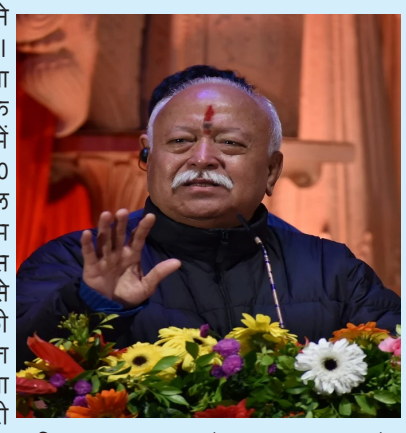

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने आरोपी के दाऊद गिरोह लश्कर, पीएफआई से संबंध होने का दावा किया

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के यहां स्थित कार्यालय में फोन करके धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार एक व्यक्ति के दाऊद इब्राहिम गिरोह और प्रतिबंधित संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से कथित तौर पर संबंध होने की बात सामने आयी है। यह दावा महाराष्ट्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को किया। जयेश पुजारी उर्फ कांता उर्फ सलीम शहीर कांत पर गडकरी के जनसंपर्क कार्यालय को पहले जनवरी में और फिर मार्च में धमकी भरे फोन करने का आरोप है। जयेश पुजारी हत्या के एक मामले में दोषी साबित हो चुका है। शहर की धंतोली पुलिस ने उसके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) लगाया है। नागपुर के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि जांच से पता चला है कि उसके दाऊद गिरोह, पीएफआई और लश्कर से संबंध थे। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा, ''उसेकट्टरपंथी बनाया गया है। वह जेल में डी-गैंग (दाऊद गैंग) के अन्य सदस्यों के साथ साजिश रच रहा था।

भाजपा ने ब्रह्मपुरम में आग की घटना की सीबीआई जांच की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ब्रह्मपुरम आग की घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग करते हुए 'डंपिंग यार्ड' में कचरे के निपटान के संबंध में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार और एक निजी कंपनी के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। पार्टी ने निजी कचरा प्रबंधन कंपनी को ठेका देने में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, जो इस घटना को लेकर आलोचना का सामना कर रही है। कोच्चि नगर निगम द्वारा प्रबंधित ब्रह्मपुरम अपशिष्ट निस्तारण संयंत्र में आग लगने के कारण पिछले महीने कोच्चि और इसके आसपास के क्षेत्र भारी वायु प्रदूषण की चपेट में आ गए थे।

ब्रह्मपुरम अपशिष्ट निस्तारण संयंत्र का दौरा करने के बाद भाजपा के केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने कचरे के निपटारा के लिए चुनी गई कंपनी के पूर्व के कामकाज को लेकर भी सवाल उठाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री जावड़ेकर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह एलडीएफ सरकार और मुख्यमंत्री द्वारा केरल के नागरिकों के साथ किया गया धोखा है। सरकार को तुरंत इसकी सीबीआई जांच के लिए कहना चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ब्रह्मपुरम में अपशिष्ट का निपटारा नहीं किया जा रहा था और सरकार कंपनी को दंडित करने के बजाय उसे पुरस्कृत कर रही है। मार्च के पहले सप्ताह में ब्रह्मपुरम संयंत्र में आग लगने की घटना की सूचना मिली थी और यह 12 दिनों तक जारी रही, जिससे व्यापक प्रदूषण फैल गया। अधिकारियों का कहना था कि गर्मी के कारण हर साल इस तरह की घटनाएं होती हैं।

कानून व्यवस्था सीएम योगी की प्राथमिकता, वीके सिंह ने कहा- कोई भागता है तो कार्रवाई की जाएगी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने यूपी के सीएम की पहले की 'माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे' टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था सीएम योगी की प्राथमिकता है। वह यही रास्ता अपना रहा है। इससे ज्यादा हमें देखना या बोलना नहीं चाहिए। तरह-तरह की शब्दावली चलती है, राजनीति में तरह-तरह के शब्दों का इस्तेमाल होता है। लेकिन मुख्य बात कानून और व्यवस्था है। वीके सिंह ने कहा कि अगर कोई भागता है और कानून से भागने की कोशिश करता है तो कार्रवाई की जाएगी। अगर झांसी में कार्रवाई हुई तो मैं पुलिस को बधाई देना चाहता हूं। अगर जिन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे, जो लोग कानून से भागने की कोशिश कर रहे थे और कार्रवाई में लिप्त थे, जिसके कारण पुलिस फायरिंग हुई और उस दौरान उनकी मृत्यु हो गई, तो ऐसा पुलिस कार्रवाई में होता है। बता दें कि उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और उसके एक साथी गुलाम को मुठभेड़ में मार गिराया। विशेष अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने कहा, 'प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड में वांछित असद अहमद और गुलाम पांच-पांच लाख रुपये के इनामी बदमाश थे। दोनों की झांसी में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई।

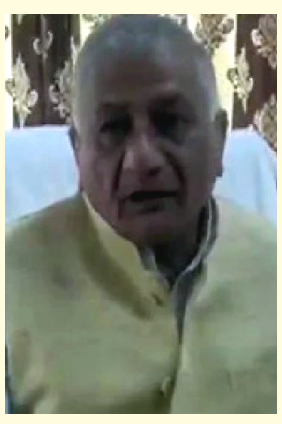

असद के साथ एनकाउंटर में मारे गए शूटर गुलाम की मौत पर आया मां का बयान, कहा सरकार ने सही किया, गलत काम का मिला अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अतीक अहमद के पुत्र गुलाम के एनकाउंटर के बाद उसकी मां का बयान सामने आया है। उसकी मां ने कहा कि मेरा बेटा गलत रास्ते पर चला गया था। सरकार ने उसके साथ सही व्यवहार किया है। उसका यही अंजाम होना चाहिए था। उसकी मांग के मुताबिक मैंने उसे सिखाया था कि कभी पेंसिल भी स्कूल से मत लाना मगर वो कहीं आगे अपराध के रास्ते पर चला गया था। आज उसे जो अंजाम मिला है वो सही है। सिर्फ यही नहीं उन्होंने अपने बेटे का शव लेने से भी इंकार कर दिया है।

बता दें कि उमेश पाल हत्याकांड में गुलाम शूटर था। उसकी मां ने कहा कि मुझे मेरे

बेटे के जाने का दुख है लेकिन गलत काम करने का फल मिलना जरुरी है। उसने गलत काम किया था इसलिए उसका शव नहीं लेंगे। गुलाम को असद अहमद के साथ ही पुलिस ने 13 अप्रैल को मौत के घाट उतार दिया था। दोनों को एनकाउंटर में पुलिस ने मार गिराया था। इस मामले पर गुलाम के भाई राहिल ने भी अपनी मां के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि महने तो पहले ही कहा था कि हम शव लेने नहीं जाएंगे। हम अपनी बात पर अब भी अटल है। हमारा परिवार सेटल था और सभी लोग अपने काम करते है। उसने इस तरह के काम को क्यों अपनाया ये समझना काफी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जघन्य कार्य किया है जिसका हम समर्थन नहीं करते। हम उनका शव लेने नहीं जाएंगे जिसकी जानकारी हमने थानाध्यक्ष को दी है। बता दें कि गुलाम की पत्नी और दो बेटियां थी। मगर उसने अपने परिवार के बारे में नहीं सोचा। गुलाम की मां का कहना है कि लड़के ने हमें सड़क पर लाकर खड़ाकर दिया है। हालांकि उन्होंने कहा कि उसकी पत्नी का उन पर हक है, मैं उसको शव लेने या नहीं लेने के लिए मना नहीं कर सकती।

उत्तर कोरिया ने ठोस-ईंधन आधारित लंबी दूरी की मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया का कहना है कि उसने एक नव विकसित अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया है, जो अमेरिका की मुख्यभूमि को निशाना बना सकती है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसके हालिया हथियार परीक्षण में ठोस प्रणोदक द्वारा संचालित लंबी दूरी की एक नई मिसाइल शामिल है, जिसे उसने अपने परमाणु शस्त्रागार का ''सबसे शक्तिशाली'' हिस्सा बताया जो अमेरिका और एशिया में उसके सहयोगियों को निशाना बना सकती है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने यह खबर ऐसा समय में दी है, जब

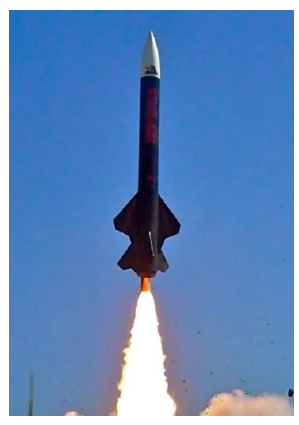

एक दिन पहले उसके पड़ोसियों ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया ने ठोस प्रणोदक पर आधारित एक आईसीबीएम दागी है।

केसीएनए के अनुसार, बृहस्पतिवार को सफल परीक्षण किया गया। उसने इस हथियार को बाहरी आक्रमणों को रोकने और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला ''सबसे शक्तिशाली माध्यम'' बताया।

अंतर्निहित ठोस प्रणोदकों वाली आईसीबीएम को स्थानांतरित करना तथा छिपाना आसान होगा। इससे विरोधियों को प्रक्षेपण का पता लगाने तथा उसका मुकाबला करने का मौका कम मिलेगा और यह अधिक तेजी से कार्रवाई करने में सक्षम होगी। इस प्रक्षेपण से पहले उत्तर कोरिया के पिछले सभी आईसीबीएम परीक्षणों में तरल ईंधन का इस्तेमाल किया गया था।

किसान ने की आत्महत्या, भाजपा सांसद ने कांग्रेस सरकार पर लगाया बड़ा आरोप, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। किसानों को लेकर लगातार सरकारें कई बड़े दावे करती है। लेकिन आज भी किसानों की स्थिति अच्छी नहीं दिखाई दे रही है। आज भी किसानों को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ क्षेत्र से आया है। यहां कर्ज के बोझ तले दबे किसान पुत्र ने 9 अप्रैल को आत्महत्या कर ली थी। इस मुद्दे को लेकर भाजपा अब जबरदस्त तरीके से राज्य की कांग्रेस सरकार पर हमलावर है। भाजपा सांसद संतोष पांडे ने साफ तौर पर कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार की भ्रष्ट नीतियों की वजह से किसान पुत्र को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा। इसको लेकर उन्होंने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

संतोष पांडे ने इसको लेकर लिखा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश

सरकार की भ्रष्ट नीतियों की वजह से आत्महत्या करने वाले खल्लारी के किसान पुत्र आनंद कंवर को न्याय दिलाने के लिए भाजपा किसान मोर्चा एवं ग्रामवासियों के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की घोर लापरवाही के कारण एक किसान के बेटे ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि डोंगरगढ़ के मेढ़ी समिति में लाखों का फर्जीवाड़ा भूपेश सरकार की भ्रष्ट नीति को उजागर करती है।

इससे पहले संतोष पांडे ने ग्राम खल्लारी में आत्महत्या करने वाले किसान आनंद कंवर के परिवारजनों से भेंट किया और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि मैं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मांग करता हूँ की जिस प्रकार उन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों को 50 लाख की राशि दी थी उसी प्रकार वे कंवर राम के परिवारजनों को भी 50 लाख की सहायता राशि दें एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

बीजेपी,आरएसएस के 'दुष्प्रचार' के विपरीत तेजी से घट रही है मुसलमानों की आबादी : दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस के देश में मुस्लिम समुदाय की आबादी बढ़ने के बारे में 'दुष्प्रचार' के विपरीत हिंदुओं की तुलना में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की संख्या तेजी से घट रही है और वह इसे साबित कर सकते हैं। सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार करते हुए दिग्विजय सिंह पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और समाज को विभाजित करने के लिए झूठे बयान देने का आरोप लगाया। सिंह ने बृहस्पतिवार को जनगणना कराने पर अपनी पार्टी के रुख के बारे में पत्रकारों के सवाल के उत्तर में यहां यह दावा किया। सिंह ने कहा, ''भाजपा व संघ का प्रचार कि देश में मुसलमानों की आबादी बढ़ रही है, सरासर झूठ, गलत और अप्रमाणित है क्योंकि हिंदुओ की तुलना में अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी तेजी से घट रही है और मैं इसे प्रमाणित कर सकता हूं।'' पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा, ''जनगणना पर मेरा मानना है कि यह होनी चाहिए। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आधार पर इसके परिणाम सामने आने चाहिए। अभी तक केवल 2011 की जनगणना के परिणाम उपलब्ध हैं। इसके बाद के आंकड़े अभी तक नहीं आए हैं। जनगणना आयोजित की जानी चाहिए।''

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस जाति आधारित जनगणना कराने की मांग को अपने घोषणापत्र में शामिल करेगी, सिंह ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है क्योंकि यह नियम और कानून के अनुसार है। बिहार में जाति आधारित जनगणना के बारे में आगे पूछे जाने पर सिंह ने कहा, ''जनगणना

राष्ट्रीय स्तर पर होनी चाहिए।'' मुस्लिम आबादी पर सिंह की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त हैं और जाति और धर्म के आधार पर समाज को विभाजित करने के लिए झूठे बयान फैला रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी द्वारा वोट बैंक की राजनीति करने के आरोप के जवाब में सिंह ने कहा, ''कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति नहीं करती है। वर्ष 1952 से आज तक कांग्रेस अनुसूचित जाति, जनजाति व वंचित तबके की लड़ाई लड़ती आयी है।'' संवेदनशील मामलों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ''खामोशी'' को लेकर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि एक ओर तो प्रधानमंत्री किसी खिलाड़ी की उंगली में चोट लग जाने को भी बड़ी चिंता का विषय बताते हैं वहीं दूसरी ओर देश भर में खुलेआम भड़काऊ भाषण देने वालों, वैमनस्यता फैलाने वालों व जान से मारने की धमकी देने वालों के मामले में चुप्पी साध लेते हैं।

मध्य प्रदेश में साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सिंह ने कहा कि मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा), ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे दल भी कांग्रेस के वोटों को विभाजित करने और भाजपा की मदद करने के लिए मैदान में होंगे। उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसे दल सत्ता में नहीं आ पाएंगे। लड़ाई कांग्रेस और भाजपा के बीच है।''

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद, क्या कांग्रेस कमजोर हो गई, इस सवाल पर सिंह ने कहा, ''उनके जाने के बाद, कांग्रेस में शांति और एकता है जबकि अशांति और फूट अब भाजपा में है।'' सिंह ने 'लाडली बहना' जैसी लोकलुभावन योजनाओं को शुरू करने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की आलोचना की और सवाल किया कि भाजपा ने पिछले 18 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में रहने के दौरान राज्य के लोगों को याद क्यों नहीं किया और चुनावी साल में ऐसा क्यों कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''नौटंकी करना, घोषणाएं करना और लंबे-लंबे भाषण देना चौहान की पहचान है।

जरूरत पड़ी तो आंचल फैला कर भीख मांग लूंगी लेकिन केंद्र के आगे...ममता बनर्जी का मोदी सरकार पर बड़ा अटैक

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वैसे तो केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ अपने तीखे प्रहारों के लिए जानी जाती हैं। अब ममता दीदी ने एक बार फिर से ममता बनर्जी के फंड के मुद्दे पर केंद्र की बीजेपी की सरकार पर बड़ा अटैक किया है। उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश की महिलाओं से आंचल फैला कर भीख मांगने की बात करते हुए कहा कि वो दिल्ली से भीख नहीं

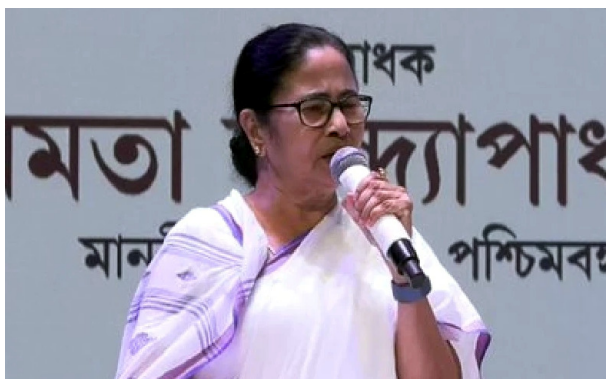

मांगेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मेरे मन में बस यही होता है कि लोग मुझे कभी गलत न समझें। कभी-कभी हमें फंड दिया जाता है, कभी-कभी नहीं दिया जाता। अभी सुनने में आ रहा है कि हमें 2024 तक कुछ नहीं दिया जाएगा। ज़रूरत पड़ी तो साड़ी का आंचल फैला कर माताओं के सामने भीख मांग लूंगी लेकिन दिल्ली से भीख मांगने कभी नहीं जाऊंगी। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भी बकाया फंड का मुद्दा उठाया था। टीएमसी ने कहा था कि 'राज्य के बकाया' के बारे में था। यह कहा गया है कि केंद्रीय फंड उनका (मोदी-शाह) व्यक्तिगत धन नहीं है। केंद्रीय फंड राज्यों से एकत्र किए गए विभिन्न करों से आता है। वे हमें जो धन आवंटित करते हैं वह उस कर का एक हिस्सा है। लेकिन केंद्र बंगाल के आम लोगों का बकाया पैसा रोककर उन्हें क्यों प्रताड़ित कर रहा है?

2008 जयपुर सीरियल ब्लास्ट केसः पीड़ितों के परिवारों ने एसएलपी दायर करने के लिए खटखटाया एण का दरवाजा

नई दिल्ली। 2008 जयपुर सीरियल बम विस्फोट पीड़ितों के परिवारों ने राजस्थान उच्च न्यायालय के चार आरोपियों को बरी करने और निचली अदालत के आदेश को रद्द करने के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया। कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए पीड़ित परिवारों के साथ विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौर ने राष्ट्रीय राजधानी में वकीलों से मुलाकात की थी। याचिका का मसौदा तैयार करने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अरुण

चतुर्वेदी ने कहा कि निचली अदालत और उच्च न्यायालय के फैसलों में कई खामियां हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास कानून के बिंदुओं, तथ्यों और साक्ष्यों में खामियां हैं, जैसा कि ट्रायल कोर्ट और उच्च न्यायालय की कार्यवाही में प्रस्तुत किया गया है। हमने इन पर अपना आवेदन आधारित किया है। चतुर्वेदी ने कहा कि पीड़ित परिवारों को निचली अदालत या उच्च न्यायालय की कार्यवाही में पक्षकार नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि हमने इन सभी मुद्दों को उजागर किया है और हमें उम्मीद है कि हम सुप्रीम कोर्ट को हमारी याचिका स्वीकार करने के लिए राजी कर पाएंगे।

जितेंद्र करना चाहते थे हेमा मालिनी से शादी, कजन ने लगाया था यौन हमले का आरोप

मुम्बई। बॉलिवुड ऐक्टर जितेंद्र 7 अप्रैल 2021 को अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। जितेंद्र को कभी बॉलिवुड का बहुत बड़ा स्टार तो नहीं माना गया मगर उन्होंने अपनी फिल्मों से लोगों के दिलों में खास जगह जरूर बनाई थी। 7 अप्रैल 1942 को पंजाब के अमृतसर में जन्मे जितेंद्र का असली नाम रवि कपूर है। उन्होंने बॉलिवुड में अपना मुकाम बनाने के लिए बहुत स्ट्रगल किया था। आइए, जानते हैं जितेंद्र की जिंदगी की कुछ अनसुनी बातें।

बिजनसमैन फैमिली के थे जितेंद्र मगर फिल्मों में लगा मनः जितेंद्र की फैमिली जूलरी का बिजनस करती थी। उस समय पर जितेंद्र की फैमिली बॉलिवुड फिल्मों में जूलरी की सप्लाई भी करती थी। इसी बीच जितेंद्र का मन भी जूलरी के बिजनस से फिल्मों की तरफ चला गया और वक्त के साथ उन्होंने ठान लिया कि वह ऐक्टर ही बनेंगे।

राजेश खन्ना के बचपन के दोस्त थे जितेंद्रः कम ही लोगों को पता है कि जितेंद्र और राजेश खनन स्कूल में क्लासमेट हुआ करते थे। दोनों ने मुंबई के सेंट सबैस्टियन गोअन हाई स्कूल से पढ़ाई की थी। इसके बाद जितेंद्र ने मुंबई के सिद्धार्थ कॉलेज में पढ़ाई की। राजेश खनन तो बहुत जल्द ही रातोंरात स्टार बन गए थे मगर जितेंद्र ने फिल्म इंडस्ट्री में काफी स्ट्रगल किया था। **पहली फिल्म में हिरोइन के बॉडी डबल बने थे जितेंद्रः** कम ही लोगों को पता है कि जितेंद्र को पहला रोल एक जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर मिला था। तब डायरेक्टर वी शांताराम ने अपनी फिल्म 'नवरंग' में ऐक्ट्रेस संध्या के बॉडी डबल के तौर काम दिया था। **वी शांताराम ने दिया नाम, केवल 100 रुपये मिलती थी तनख्वाह** -100- डायरेक्टर वी शांताराम ने ही जितेंद्र का नाम रवि कपूर से बदल दिया था। उनकी मेहनत से इंप्रेस होकर वी शांताराम ने अपने यहां जितेंद्र को नौकरी पर रख लिया। तब जितेंद्र को केवल 100 रुपये तनख्वाह में मिलते थे। **हेमा मालिनी से करना चाहते थे शादी मगर नहीं बनी बातः** एक समय था जब जितेंद्र ने हेमा मालिनी के साथ कई हिट फिल्मों में काम किया था। इसके बाद जितेंद्र हेमा मालिनी से शादी करना चाहते थे। जितेंद्र ने हेमा के लिए अपना रिश्ता भी भिजवाया था जिसके बाद इस शादी को तुड़वाने के लिए जितेंद्र की गर्लफ्रेंड शोभा और धर्मेंद्र हेमा के घर पहुंच गए थे। हेमा मालिनी के मुताबिक अंतिम समय पर उन्होंने ही जितेंद्र से शादी से इनकार कर दिया था।

14 साल की उम्र जितेंद्र की गर्लफ्रेंड थीं शोभाः कम ही लोगों को पता है कि जितेंद्र अपनी पतने शोभा कपूर को तब से डेट कर रहे है जब वह केवल 14 साल की थीं। इनका रिलेशनशिप काफी लंबा रहा है। शोभा कपूर शादी से पहले ब्रिटिश एयरवेज में एयर होस्टेस का काम भी कर चुकी हैं। जितेंद्र और शोभा की शादी 1974 में हुई थी। **कजन ने लगाया था जितेंद्र पर यौन शोषण का आरोपः** साल 2018 में जितेंद्र पर उनकी एक कजन ने ही चौंकाने वाला आरोप लगाया था। उनकी शिमला में रहने वाली एक कजन ने आरोप लगाया था कि 1971 में जितेंद्र ने उनका यौन शोषण किया था। उनका आरोप था कि जब वह केवल 18 साल की थीं तब जितेंद्र ने नशे की हालत में उन पर यौन हमला किया था। हालांकि जितेंद्र ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।

आखिर ऐसा क्या हुआ जो एक ही शख्स से तीन बार शादी करने को मजबूर हो गई थीं माला सिन्हा

नई दिल्ली। अर्धेन्दु बोस बंगला फिल्मों के जाने-माने निर्देशक थे। बोस माला की एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने माला को अपनी फिल्म रोशनआरा में काम करने का ऑफर दिया। आखिर ऐसा क्या हुआ जो एक ही शख्स से तीन बार शादी करने को मजबूर हो गई थीं माला सिन्हा की कामयाबी की कहानी जितनी दिलचस्प है, उतनी ही उनकी शादी की भी। बॉलीवुड में माला सिन्हा ने उस समय अपनी पहचान बनाई थी, जब फिल्मी पर्दे पर नूतन, नर्गिस और मीना कुमारी जैसी एक्ट्रेसेस का बोलबाला था। इन एक्ट्रेसेस के बीच अपने आप को मशहूर करना आसान काम नहीं था। माला सिन्हा का बचपन का नाम अल्डा सिन्हा था। स्कूल में उनकी सहेलियां उन्हें डालडा कहकर पुकारा करती थीं। माला को अपनी पहली फिल्म अपने स्कूल से ही मिली। एक बार माला सिन्हा स्कूल के प्रोग्राम में अभिनय कर रहीं थीं तभी निर्देशक अर्धेन्दु बोस की नजरें उन पर पड़ी। अर्धेन्दु बोस बंगला फिल्मों के जाने-माने निर्देशक थे। बोस माला की एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने माला को अपनी फिल्म रोशनआरा में काम करने का ऑफर दिया। बस यही से माला की फिल्मी सफर की शुरुआत हो गई। इसके बाद माला सिन्हा ने कई बंगला फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड में माला को गुरुदत्त की प्यासा फिल्म से पहचान मिली। इसके बाद माला सिन्हा ने राजकपूर के साथ परवरिश

और फिर सुबह होगी, देवानंद के साथ लव मैरिज और शम्मी कपूर के साथ फिल्म उजाला में हल्के फुल्के रोल कर अपने सिने करियर को एक नई दिशा देने में कामयाब रही। माला सिन्हा की कामयाबी की कहानी जितनी दिलचस्प है, उतनी ही उनकी शादी की भी। बॉलीवुड में अपने पांव जमाने के बाद माला सिन्हा शादी के बंधन में बंध गई। माला सिन्हा ने अपने साथी कलाकार चिदंबर प्रसाद लोहानी के साथ 16 मार्च, 1968 को शादी की। इनकी शादी आज तक याद की जाती है। इसकी वजह माला की शादी में निभाई गई रस्में थी। सबसे पहले तो ईसाई माला सिन्हा और हिंदू सी.पी. लोहानी सिविल मैरिज कानून के अंतर्गत मैरिज रजिस्ट्रार के सामने मैरिज रजिस्टर पर हस्ताक्षर करके हस्बैंड ऐंड वाइफ बने। माला सिन्हा ईसाई थीं, इसी वजह से उनके पिता की इच्छा थी कि बेटी माला की शादी गिरिजाघर में कोई पादरी कराए। फिर इनकी शादी मुंबई के एक गिरजाघर में की गई।

अमीषा पटेल के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट से वारंट जारी

चेक बाउंस मामले में एक्ट्रेस की बढ़ी मुश्किलें

मुम्बई। रांची की एक सिविल कोर्ट ने बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर क्रुनाल

के खिलाफ धोखाधड़ी और चेक बाउंस मामले में वारंट जारी किया है।शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह झारखंड के फिल्म निर्माता हैं। उन्होंने अमीषा पटेल और उनकी पार्टनर के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी और चेक बाउंस का मामला दर्ज कराया था। समन के बावजूद एक्ट्रेस द्वारा कोर्ट के सामने अपना पक्ष नहीं रखने पर कोर्ट नाराज हो गई थी। न तो वह और न ही उनके वकील कोर्ट में पेश हुए। मामले में अगली सुनवाई 15 अप्रैल को निर्धारित की गई है। उनके खिलाफ सीआरपीसी की धारा 420 और 120 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह ने कहा कि अभिनेत्री और उनके बिजनेस पार्टनर ने देसी मैजिक नाम की एक फिल्म के निर्माण और प्रचार के लिए उनसे 2.5 करोड़ रुपये लिए।

अजय कुमार के मुताबिक, अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर ने कहा था कि फिल्म पूरी होने के बाद वे पैसा ब्याज समेत लौटा देंगे। देसी मैजिक की शूटिंग 2013 में शुरू हुई थी। हालांकि अभी तक फिल्म रिलीज नहीं हुई है। जब फिल्म निर्माता ने अमीषा पटेल से अपने पैसे मांगे, तो उन्होंने उसे नहीं लौटाया।

काफी देरी के बाद, उसने अक्टूबर 2018 में उसे 2.5 करोड़ रुपये और 50 लाख रुपये के दो चेक दिए, जो बाउंस हो गए।

सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राथे का लिप-किसिंग वीडियो वायरल

मुम्बई।सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राथे की वेब सीरीज 'ब्रोकन बट ब्यूटिफुल 3' का जल्द ही ऑल्ट बालाजी और ज़ी 5 पर प्रीमियर होगा। सीरीज़ की स्ट्रीमिंग शुरू होने से पहले, मेकर्स बीटीएस की तस्वीरों और वीडियो से प्रशंसकों को उत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं। एक नए बीटीएस फोटो में सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राथे को पीछे से गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे उनके फैंस को उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में जानकारी मिली है। इसके अलावा एक किसिंग वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है जिसे सिद्धार्थ शुक्ला के फैंस काफी ज्यादा पसंद कर रहे है। इस वीडियो ने सिद्धार्थ के फैंस की बेचैनी बढ़ा दी है वह जल्द से जल्द सीरीज के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। ताजा वायरल वीडियो में आप देखेंगे कि सिद्धार्थ शुक्ला काले रंग के कपड़ों में एक दीवार के सहारे शराब पी रहे होते हैं। तभी वहां पर सोनिया आ जाती है वह सिद्धार्थ से कुछ बात करती हैं और उसके बाद सिद्धार्थ की शराब छीन कर सारी पी जाती है। सिद्धार्थ सोनिया पर गुस्सा करने के लिए करीब आते हैं तो सोनिया

उन्हें अपनी ओर खींच कर किसिंग करने लगती है। इस क्लिप पर ब्रोकन बट ब्यूटिफुल का टाइटल सॉन्ग लगा कर इसे काफी शेयर किया जा रहा है।

इससे पहले भी सीरीज से सेट से सिद्धार्थ और सोनिया की काफी तस्वीरें लीक हो चुकी हैं। तस्वीर में दोनों रोमांटिक होते हुए नजर आ रहे हैं। ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 में अगस्त्य की भूमिका निभा रहे सिद्धार्थ, जो सोनिया के प्यार में पड़ जाते हैं। फैंस को ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 का बेसब्री से इंतजार है क्योंकि वे सिद्धार्थ शुक्ला को फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं। जब से सिद्धार्थ ने बिग बॉस 13 जीता है, तब से उनकी फैन फॉलोइंग तेजी से बढ़ी है। जब एकता ने प्रशंसकों से सुझाव मांगे, तो ज्यादातर टिप्पणियों में उनका नाम शामिल था। पहले दो सीज़न के मुख्य सितारे विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी थे, जिन्होंने वीर और समीरा का किरदार निभाया था।

आशुतोष शर्मा, जन्म से ही सुनने में है असमर्थ

मुम्बई।आशुतोष ने ब्यूटी पेजेंट का ख़िताब जीत कर पूरे गुडगाँव को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है। ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन भारत में पहली बार एम अस ब्यूटी पेजेंट द्वारा 28 फरवरी 2021 को दिल्ली ग्लिट्स वेस्टन इन हॉल में किया गया। यह प्रतियोगिता कई चरणों में पूर्ण हुई। मेगा फाइनल में 10 प्रतिभागियों में कड़ी प्रतिस्पर्धा में सब को पछाड़ कर आशुतोष ने यह ख़िताब प्राप्त किया। सब से अचभिंत करने वाली बात यह है कि आशुतोष जन्म से ही सुनने में असमर्थ है लेकिन इन विपरीत परिस्थयों में भी उसने कठिन परिश्रम और अथक प्रयासों से हंसराज कॉलेज, दिल्ली से बी कॉम होनोर्स और आईआईएम लखनऊ से डिग्री प्राप्त की और इस समय वह इंडसइंड बैंक में एसोसिएट मैनेजर कि पद पर कार्यरत है। उसका विश्वास कि उसको हर परिस्थिति में विजेता बनने में सहायक होता है। आशुतोष जैसी सोच और कभी न हारने कि जिद हमें अपने दैनिक जीवन की कठिनाइयों से न सिर्फ लड़ने की प्रेरणा देती है, अपितु हमारे हर उस डर को, झीझक को, एक आत्मविश्वास के साथ करके देखने और जीतने की भी उम्मीद देती है।

'सारी अश्लीलता, गाली-गलौज बंद होनी चाहिए', ओटीटी के लिए 'क्लीन कंटेंट' और सेंसरशिप चाहते हैं सलमान खान

मुंबई। फिल्मफेयर पुरस्कार के 68वें संस्करण की प्रेसवार्ता के दौरान शाम को सलमान खान ने मीडिया से बात की और खई विषयों पर अपनी राय रखी। सलमान खान ने कहा है कि 'क्लीन कंटेंट' काम करता है, सलमान ने ओटीटी मंचों पर सेंसरशिप की वकालत करते हुए कहा कि वेब पर बेहद "अश्लील और हिंसात्मक" सामग्री परोसी जा रही है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि ओटीटी पर किसी तरह की सेंसरशिप होनी चाहिए क्योंकि इसमें बहुत अधिक नग्नता, अश्लीलता, हिंसा और अभद्र जैसी सामग्री है। इसे रोकना चाहिए क्योंकि आज कल स्मार्टफोन पर यह सब कुछ उपलब्ध है... अगर कोई 15-16 साल का किशोर/किशोरी इस तरह की सामग्री देखता है तो समझ में आ सकता है, लेकिन जब आपकी छोटी बेटी इसे देखती है तो क्या यह अच्छा लगता है?" उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि ओटीटी मंचों पर सामग्री की सेंसरशिप होनी चाहिए। जितनी साफ-सुथरी सामग्री होगी, उतना ही बेहतर है। यहां तक कि तब इसे और अधिक देखा जाने लगेगा।" अभिनेता सलमान खान का कहना है कि बॉलीवुड के युवा कलाकार काबिल और मेहनती हैं लेकिन "हम पांच बड़े सितारे - शाहरुख खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन और मैं खुद, उन्हें थका देंगे।" कई दशक से हिंदी फिल्म जगत में अपना दबादबा कायम रखने वाले 57 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि वे मैदान आसानी से नहीं छोड़ेंगे।

फिल्मफेयर पुरस्कार के 68वें संस्करण की प्रेसवार्ता के दौरान शाम को सलमान खान ने कहा, "ये सभी लोग वास्तव में अच्छे, प्रतिभाशाली और मेहनती हैं। लेकिन, हम पांचों - शाहरुख, आमिर, मैं, अक्षय और अजय- इतनी आसानी से हार नहीं मानने वाले हैं।" युवा अभिनेता लंबे-समय में प्रभाव डालेंगे? इस सवाल पर खान ने कहा, "हम उन्हें थका देंगे।" आमिर खान जहां 58 वर्ष के हैं, वहीं सलमान और शाहरुख 57 वर्ष जबकि अक्षय 55 वर्ष और अजय 54 वर्ष के हैं। अभिनेता ने कई हिंदी फिल्मों के बारे में भी बात की, जो बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं। सलमान अभिनीत फिल्म "किसी का भाई, किसी की जान" की रिलीज का इंतजार किया जा रहा है। सलमान खान ने कहा कि फिल्म निर्माता अपनी सामग्री के बारे में आश्वस्त महसूस करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर फिल्म, एक अच्छी फिल्म साबित हो। उन्होंने कहा, "मैं लंबे समय से यह सुन रहा हूं कि हमारी हिंदी फिल्में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हैं। यदि आप खराब फिल्में बनाएंगे, तो वे कैसे चलेंगी? हर कोई सोचता है कि वह 'मुगल-ए-आजम', 'शोले', 'हम आपके हैं कौन' और 'डीडीएलजे' बना रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं होता है।" सलमान ने कहा "कई निर्देशक समझते हैं कि भारत अंधेरी से कोलाबा ही है। हमारे पास बहुत ही अच्छे निर्माता और निर्देशक हैं जो बहुत ही बेहतर फिल्में बना सकते हैं और बनाना चाहते हैं लेकिन वे उस तरह काम नहीं करते।

साहिर लुधियानवी की जिंदगी जावेद अख्तर की जुबानी...

नयी दिल्ली। कवि एवं गीतकार जावेद अख्तर ने यहां कहा कि अपनी कविताओं के जरिए सच्चाई बयां करने और सही बात के लिए लड़ते समय अपने उग्र रवैये के लिए जाने जाने वाले साहिर लुधियानवी निजी जिंदगी में बिल्कुल विपरीत थे। अख्तर ने यहां 'जश्न ए रेख्ता' उत्सव में कहा कि वह विरोधाभासी व्यक्तित्व वाले इंसान थे। यदि मैं कहूं कि वह अच्छे व्यक्ति थे, तो उनके बारे में इससे अधिक उबाऊ बात और कोई नहीं हो सकती। जब वह अच्छे होते थे तो उनकी अच्छाई की कोई सीमा नहीं थी और जब वह किसी से गुस्सा होते थे, तो उसकी भी कोई सीमा नहीं

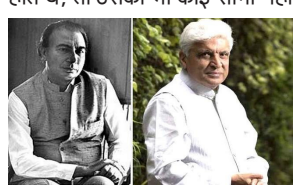

होती थी। साहिर एक अमीर जमींदार की इकलौती संतान थे। साहिर जब बच्चे थे तभी उनके माता पिता का तलाक हो गया था, जिसके बाद वह अपनी मां के साथ रहे और उन्होंने एक सफल कवि एवं गीतकार बनने से पहले गरीबी में जीवन बिताया। अख्तर ने कहा कि लुधियानवी ने जीवन में जो कुछ सहा, उसे देखकर यह सोचना गलत होगा कि इतने सफल कवि का जीवन काफी आसान रहा होगा। 74 वर्षीय अख्तर ने कहा, "क्या आपको लगता है कि एक आसान जीवन जीने वाला व्यक्ति अपनी पुस्तक का नाम 'तल्खियां' रखता? यह संभव नहीं है।" अख्तर ने बताया कि लुधियानवी का अपनी मां के साथ जो लगाव और रिश्ता था, वैसा मां-बेटा का रिश्ता उन्होंने कहीं नहीं देखा। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार लुधियानवी ने अपने घर में आयोजित एक समारोह में राजनीतिक हालात पर टिप्पणी की जिस पर सभी ने सहमति जताई। अख्तर ने कहा, "लुधियानवी ने सबका शुक्रिया अदा किया और बातचीत के बीच में ही वह घर के दूसरे कोने में अपनी मां के पास गए और उन्हें पूरी घटना बताई कि किस प्रकार अन्य लोगों ने उनके नजरिए की सराहना की। इसके बाद वह वापस आ गए।" अख्तर ने कहा कि लुधियानवी मंत्रियों को झिड़क सकते थे, निर्देशकों, निर्माताओं एवं संगीतकारों के लड़ सकते थे, लेकिन दूसरी ही तरफ वह छोटी-छोटी बातों के लिए अपनी मां की मंजूरी लेते थे।

मदर इंडिया के सेट पर नरगिस को बचाने के लिए आग में कूद गए थे सुनील दत्त

मुम्बई। नरगिस सुनील दत्त से काफी सीनियर थी, यही वजह थी कि वह उनकी इज्जत करते थे। सुनील दिल ही दिल में नरगिस को चाहते थे लेकिन कभी किसी से इसकी बात नहीं करते थे। एक दिन जब फिल्म 'मदर इंडिया' की शूटिंग चल रही थी तो सेट पर अचानक आग लग गई। जब मदर इंडिया की सेट पर नरगिस को बचाने के लिए आग में कूद गए थे सुनील दत्तमेहबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' में साथ काम करने वाले सुनील दत्त और नरगिस की लव स्टोरी की शुरुआत यही से हुई। बॉलीवुड में यूं तो कई लव स्टोरी है जिनके बारे में समय-समय पर हम आपको बताते ही रहते हैं। आज हम जिस लव स्टोरी का जिक्र करने जा रहे है उसे बॉलीवुड की अब तक की सबसे बेहतरीन लव स्टोरी कहना गलत नहीं होगा। जी हां, हम बात कर रहे है बॉलीवुड के दो सुपरस्टार्स नरगिस और सुनील दत्त की। मेहबूब खान की फिल्म 'मदर

इंडिया' में साथ काम करने वाले सुनील दत्त और नरगिस की लव स्टोरी की शुरुआत यही से हुई। नरगिस सुनील दत्त से काफी सीनियर थी, यही वजह थी कि वह उनकी इज्जत करते थे। सुनील दिल ही दिल में नरगिस को चाहते थे लेकिन कभी किसी से इसकी बात नहीं करते थे। एक दिन जब फिल्म 'मदर इंडिया' की शूटिंग चल रही थी तो सेट पर अचानक आग लग गई। आग को देख सब सेट से भागने लगे, लेकिन नरगिस उस आगे की लपेटे में आ गई। जब सुनील दत्त की नजर नरगिस पर पड़ी तो वह बिना खुद के जान की परवाह किए बगैर आग में कूद गए और नरगिस को वहां से सुरक्षित निकाल लाए। हालांकि आग की चपेट से सुनील खुद नहीं बच पाए और थोड़े से जल गए। सुनील दत्त ने अपनी इस अदा से नरगिस को काफी हद तक प्रभावित किया था। सुनील दत्त ने जीवन के हर कठिन पड़ाव पर नरगिस का साथ दिया। सूत्रों की माने तो जब फिल्म की शूटिंग होती थी तो देर रात तक यह दोनों आपसे में बातें किया करते थे। यहां तक कि जब घर जाना होता तो दोनों एक-दूसरे को लेटर दे देते थे। शादी के कुछ समय बाद जब सुनील से नरगिस और राज कपूर के पास्ट के बारे में सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा - मुझे उनके रिश्ते में रोमांस तो दिखी ही नहीं। मैं सिर्फ इतना ही जानता था कि वो मेरे जीवन में मेरी अर्धांगिनी के रूप में आई है।

राशिफल

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।